Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 12 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 19 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मनुष्य को विवेक की आंख पतन से बचाती है।

Rational vision saves man from downfall.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

आज नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

नालंदा (आरएनएस)। 815 साल बाद नालंदा एक बार फिर से पूरी दुनिया में शिक्षा की अलख जगाने और इतिहास रचने के लिए उठ खड़ा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजगीर और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा होने वाला है। 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नालंदा विश्वविद्यालय के नेट जीरो परिसर का शुभारंभ करने वाले हैं, जो 455 एकड़ में 1749 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, सहम गए लोग

नई दिल्ली (आरएनएस)। पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जानकारी के अनुसार ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया और तुरंत ही अधिकारियों की आपात बैठक बुलायी गई। जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। पुलिस और सीआईएसएफ की टीम पटना एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसके साथ बम स्क्वायड की टीम भी वहां पर पहुंच चुकी है। एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा लेकिन अभी तक कोई भी बम या अन्य कोई संदिग्ध सामान बरामद नहीं किया गया है। साइबर सेल और अन्य जांच एजेंसी मामले की जांच में लगी हुई है।

दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर हो कोई न कोई भारतीय खाद्यान्न : पीएम नरेन्द्र मोदी

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि : देश के 9 करोड़ 26 लाख लाभार्थी किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित
- छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए अंतरित की गई
- बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- वर्ष भर आय देने वाली फसलों का किया जाए उत्पादन

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में आज आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के किसानों को विभिन्न कृषि उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए। दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर भारतीय खाद्यान्न का कोई न कोई खाद्यान्न उत्पाद होना चाहिए, तभी इस देश के किसान को उन्नत किसान कहा जा सकेगा।

वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कृषि निर्यात में और वृद्धि हो ऐसे कदम भविष्य में उठाये जाएंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती हेतु आगे कदम बढ़ाना चाहिए। किसानों के सम्मान बढ़ाने और आय को दोगुनी करने के लिए सरकार निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रही है। किसान, मजदूर, नारी-शक्ति और गरीब भारत के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि खेती को नई दिशा देने में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। कृषि सखी के रूप में खेती को एक नई ताकत देने के लिए पूरे देश के महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के 3 करोड़ से अधिक परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए गए है। आने वाले दिनों में इन परिवारों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी तरह 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत देश के 3 करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने की पहल शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आज 17वीं किश्त जारी की। इस योजना के तहत देश के 9 करोड़ 26 लाख से अधिक लाभार्थी किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी में किसान सम्मान सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। प्रदेश में अब किसान जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा अपितु खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। किसानों को अब सिर्फ धान की फसल ही नहीं अपितु वर्ष भर आय देने वाली फसल दलहन, तिलहन, फल-फूल, हार्टीकल्चर, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि का भी फसल लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज और औषधि फसल को भी व्यापक रूप में बढ़ावा देना चाहिए।

कृषि विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जैविक कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए मृदा एवं फसल प्रबंधन और उद्यानिकी फसलों के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, रायपुर कलेक्टर श्री गौरव सिंह, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बने किसान, खेतों में बीज छिड़काव कर खेती-किसानी का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपने गृह ग्राम बगिया में किसान की भूमिका निभाई। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मानसून की शुरुआत के साथ ही अपने पुश्तैनी खेतों में धान की बोनी का शुभारंभ किया। यह दृश्य न केवल ग्रामीणों के लिए उत्साहजनक था, बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने खुद धान की बीज को अपने हाथों से खेतों में बिखेरा। इस मौके पर पारंपरिक वस्त्र और पगड़ी पहने हुए मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के प्रति अपने संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने खेतों में बीज छिड़काव से पहले पारंपरिक पूजा-अर्चना भी की, जो जशपुर और सरगुजा अंचल के किसानों की पुरानी परंपरा है। इस परंपरा के अनुसार, परिवार का मुखिया पहले बीज छिड़कता है और उसके बाद परिवार के अन्य सदस्य उसका अनुसरण करते हैं।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा, खेती-किसानी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मैं भी एक किसान परिवार से हूं और खेती-किसानी की परंपराओं को जीवित रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि हमारे किसान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी उपज को बढ़ाएं, लेकिन साथ ही अपनी पारंपरिक विरासत को भी बनाए रखें।

यह पहल न केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, बल्कि इससे यह भी संदेश मिलता है कि मुख्यमंत्री किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हाल ही में, मुख्यमंत्री श्री साय ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में बेहतर खरीफ फसल के लिए जरूरी तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के लिए खाद-बीज की पर्याप्त व्यवस्था करने और कृषि में तकनीक के अधिक प्रयोग पर जोर दिया था।

मुख्यमंत्री की इस पहल ने राज्य के किसानों में एक नई उम्मीद जगा दी है। बगिया गांव के किसानों ने कहा, मुख्यमंत्री जी का हमारे साथ खेतों में काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है और यह दिखाता है कि वे वास्तव में हमारी समस्याओं को समझते हैं और उनका समाधान करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने किसानों से की अपील

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं खेती-किसानी कर नया उदाहरण प्रस्तुत किया है कि कैसे एक नेता अपने पारिवारिक और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जमीनी स्तर पर जनता के साथ जुड़ सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों से अपील की कि वे आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का मिश्रण कर अपनी कृषि उत्पादकता को बढ़ाएं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों की हर संभव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देंगे, ताकि हमारे किसान अधिक उत्पादन कर सकें और अपने जीवन स्तर को सुधार सकें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आधुनिक उपकरण के लिए सब्सिडी और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएगी।

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बन रहा भारत, एचएएल को मिला नया ऑर्डर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का ऑर्डर मिला है। नया ऑर्डर मिलने के साथ ही एचएएल के शेयर में 5 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी जा रही है और दोपहर 12 बजे यह 5,470 रुपये पर था। एचएएल द्वारा रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा गया कि कंपनी को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरपीएफ) मिला है। 156 में से 90 हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और 66 हेलीकॉप्टर भारतीय वायु सेना के लिए हैं।

बता दें, आरपीएफ एक दस्तावेज होता है जिसमें किसी भी सरकार या कंपनी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को बताया जाता है। इसमें सामान खरीदने के प्रोसेस, टाइमलाइन, नियम और शर्तों की जानकारी होती है।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, एनटीए और केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी और केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि किसी की ओर से थोड़ी सी भी लापरवाही से पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। नीट मामले में अमूल्य विजय पिनापति और नितिन विजय की ओर से याचिका दायर की गई है। याचिकाओं में नीट के पेपर लीक होने की जांच करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 8 जुलाई को सुनवाई करेगा।

वहीं, शीर्ष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्र से दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। नितिन विजय की ओर पेश वकील ने कहा कि ऐसे परीक्षा होगी तो कैसे डॉक्टर बनेंगे, भगवान ही मालिक है। इस पर एनटीए ने आपत्ति जताते हुए कहा हमें जवाब देने दीजिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि एनटीए अपनी गलती ग्रेस मार्क में मान चुका है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से दो सप्ताह में जवाब तलब किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र से जवाब देने का निर्देश दिया। उसने कहा कि हम याचिकाकर्ता के मुताबिक आज ही आदेश नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए।

दिल्ली जल संकट : अब वीआईपी इलाकों में एक ही टाइम मिलेगा पानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पानी के संकट ने राजधानी दिल्ली में रहने वालों का जीना मुहाल कर दिया है। राजधानी में लगातार जल संकट गहराता जा रहा है। जल संकट की वजह से दिल्ली सरकार ने पानी की आपूर्ति में भी भारी कटौती कर दी है, जिसकी वजह से लोगों की समस्याएं और भी अधिक बढ़ती चली जा रही है। इसी बीच एनडीएमसी ने वीआईपी इलाकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। राजधानी के कई इलाकों में जितने टैंकर से पानी का सप्लाई हो रहा था उसको भी अब आधा कर दिया गया है। इसका कारण टैंकर की कमी बताई जा रही है, जिसके कारण वाटर सप्लाई में परेशानी आ रही है। इसी बीच अब, लुटियंस जोन इलाके में भी पानी की कमी को लेकर अलर्ट जारी हुआ है। एनडीएमसी के मुताबिक दिल्ली के वीआईपी इलाकों में भी अब एक टाइम ही पानी आएगा।

लोगों को जगाना है सिकलसेल को भगाना है : सीएम विष्णुदेव साय

राज्य स्तरीय आयोजन रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आज 19 जून को

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि विश्व सिकलसेल दिवस पर लोगों को जगाना है और छत्तीसगढ़ से सिकलसेल एनीमिया को भगाना है। प्रदेश के 33 जिलों के 33 हजार हितग्राहियों को सिकलसेल के लिए चिन्हित किया गया है। प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, छात्रावास-आश्रमों तथा आवासीय विद्यालयों में भी सिकलसेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन 19 जून को किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन राजधानी रायपुर के अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 19 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा।

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर 19 जून को राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर जागरूकता शिविरों और सिकलसेल परीक्षण का आयोजन स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विभागीय अमले को प्रदेश में सिकलसेल उन्मूलन के लिए व्यापक रूप से स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर सभी जिलों में सिकलसेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में सिकलसेल बीमारी की अधिक से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि इस बीमारी का उन्मूलन किया जा सके।

एनएमडीसी ने हैदराबाद में किया नई अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास सुविधा का उद्घाटन

अनुसंधान और विकास के लिए पिछले 5 वर्षों में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया

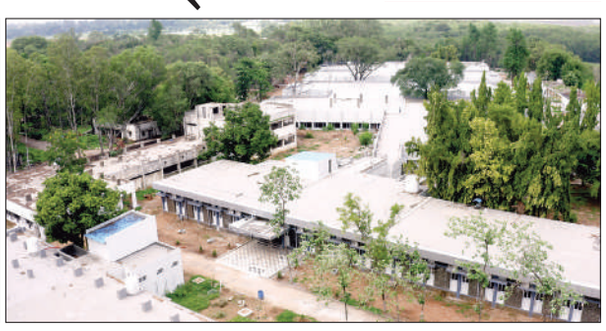

हैदराबाद (विश्व परिवार)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने आज खनिज प्रसंस्करण और टिकाऊ इस्पात प्रौद्योगिकी में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए हैदराबाद के पाटनचेरू में अपने नए अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्र का उद्घाटन किया। नवरत्न कंपनी ने पिछले 5 वर्षों में अनुसंधान और विकास में 150 करोड़ रुपये से अधिक का रणनीतिक निवेश किया है और अनुसंधान एवं विकास केंद्र के नए भवन के निर्माण में 50 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

पाटनचेरू में आठ एकड़ में फैले इस अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन एनएमडीसी के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने किया। इस अवसर पर दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन); विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी); बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी और एनएमडीसी के और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्ष 1970 से खनिज प्रसंस्करण के क्षेत्र में योगदान दे रहे एनएमडीसी अनुसंधान एवं विकास को यूनिडो और डीएसआईआर दोनों ने घरेलू और वैश्विक उद्योग को इसके ज्ञान और प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में मान्यता दी है। अनुसंधान एवं विकास केंद्र में विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा संचालित अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं जो सुस्थिर खनिज प्रौद्योगिकी और अयस्क बेनीफिशिएशन में नवाचार को बढ़ावा देती हैं।

नवनिर्मित एनएमडीसी अनुसंधान एवं विकास केंद्र में परिष्कृत उपकरणों की एक श्रृंखला है, जिसमें एक स्वचालित मिनरल एनालाइजर और स्वचालित फ्यूजन बीड आधारित एक्स-रे फ्लोरेसेंस (एक्सआरएफ) एनालाइजर शामिल हैं, जो विभिन्न खनिजों के सटीक और कुशल लक्षण वर्णन को सुनिश्चित करते हैं। केंद्र में पेलेटाइजेशन अध्ययन के लिए एक समर्पित सुविधा है, जो वाणिज्यिक पेलेट संयंत्रों की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण आंकडे उत्पन्न करेगी। इससे न केवल एनएमडीसी की आंतरिक आवश्यकताओं और क्षमताओं में वृद्धि होगी, बल्कि खनिज प्रसंस्करण और पेलेट उत्पादन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करके इस सेक्टर को भी लाभ होगा।

नई अनुसंधान एवं विकास सुविधा का उद्घाटन करते हुए, एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि अनुसंधान और विकास के माध्यम से एक सुस्थिर भविष्य की दिशा में भारतीय खनन उद्योग को नवाचार और नेतृत्व करने की हमारी जिम्मेदारी को अपनाते हुए, हमने एनएमडीसी के नए अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के दरवाजे खोल दिए हैं। नवाचार और प्रेरणा के लिए आगे बढते हुए हम यहां केवल अनुसंधान में निवेश नहीं कर रहे हैं बल्कि हम भारत के भविष्य के लिए निवेश कर रहे हैं।

यह सुविधा भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के डिजिटल परिवर्तन को आगे बढाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है और मूल रूप से टिकाऊ एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके जिम्मेदार खनन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

नए अनुसंधान एवं विकास केंद्र के अनूठे पहलुओं में से एक हाइड्रोजन रिडक्शन सुविधा है, जो माइक्रोवेव-असिस्टेड हीटिंग फर्नेस के साथ एकीकृत है। यह अभिनव स्थापना ग्रीन स्टील बनाने वाली प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने और इस्पात उद्योग में सुस्थिर प्रथाओं को बढ़ावा देने के वैश्विक प्रयासों के साथ संरेखित होगा।

नवीनतम प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे से लैस, इस केंद्र को खनिज लक्षण वर्णन, मौलिक विश्लेषण, बल्क मैटीरियल हैंडलिंग और भंडारण, खनिज प्रसंस्करण, कोयला और कोक लक्षण वर्णन में विशेषज्ञता प्राप्त है।

नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान केंद्र उद्योग का तंत्रिका केंद्र बनने के लिए अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा। एनएमडीसी अनुसंधान एवं विकास केंद्र उद्योग के कॉर्पोरेट और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए तैयार है।

बकरा नदी पर बना 100 मीटर का पुल उद्घाटन से पहले ही गिरा

अररिया (आरएनएस)। बिहार के अररिया में बकरा नदी पर बना 100 मीटर का पुल मंगलवार को टूटकर नदी में बह गया। पुल का आने वाले दिनों में उद्घाटन किया जाना था।पुल को 12 करोड़ रुपये की लागत से सिकटी प्रखंड क्षेत्र के पड़रिया घाट पर बनाया गया था। यह पूरी तरह से बना भी नहीं था।पुल के गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुल 2 हिस्सों में बंटा नजर आ रहा है।

जानकारी के मुताबिक, सिकटी विधायक विजय मंडल ने बताया कि पुल को ग्रामीण विकास कार्य विभाग की ओर से बनाया जा रहा था। पुल के समानांतर सड़क नहीं बनी थी और इसके खंभों को जमीन पर गाड़कर खड़ा किया गया था। घटना के बाद एजेंसी के अधिकारी और प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। मामले की जांच शुरू हो गई है। बता दें, इससे पहले सुपौल और भागलपुर में भी नदी पर बना पुल गिर चुका है।

राजधानी रायपुर में देर शाम बरसे बादल,उमर भरी गर्मी से मिली राहत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लगातार मानसून पर लग रहे ब्रेक के बाद आखिरकार मंगलवार शाम जमकर बारिश हुई। मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर आंधी-तूफान चला तो कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई है। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

बता दें कि सुबह ही मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताई थी। राजधानी रायपुर में भी सुबह से बादल छाए हुए थे तथा उमर भरी गर्मी थी। किंतु देर शाम को मौसम ने करवट ली और जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आने वाले 24 घंटे में प्रदेश के तापमान में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने भी 10 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने रायपुर, बालोद, गरियाबंद, धमतरी, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, कोंडगांव, नारायणपुर और बीजापुर जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से सक्रिय हुए चक्रवात के असर से उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ में मानसून आंध्र प्रदेश के पास बंगाल की खाड़ी से सक्रिय हुए चक्रवात की वजह से एक्टिव हुआ है। बारिश के चलते बिलासपुर, दुर्ग, सरगुजा और रायपुर के तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है।

कलेक्टर को आवेदन देते ही दिव्यांग को व्हीलचेयर और बुजुर्गों को मिली छड़ी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टोरेट पहुंचने वाले आवेदकों के समस्याओं का तत्परता से निराकरण किया जा रहा है। आज ऐसे ही 3 दिव्यांग एवं 2 बुजुर्ग आवेदक व्हील चेयर तथा छड़ी के लिए कलेक्टर दीपक सोनी को आवेदन प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर श्री सोनी ने तत्काल उपसंचालक समाज कल्याण को कार्रवाई कर सामग्री प्रदान करने के निर्देश दिए। उपसंचालक समाज कल्याण ने भी तत्परता दिखाते हुए सभी कार्रवाई पूर्ण कर आधे घंटे के भीतर ही कलेक्टर दीपक सोनी के हाथों से ही 3 दिव्यांग एवं 2 बुजुर्ग आवेदकों को व्हीलचेयर तथा छड़ी प्रदान किया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने भी उनसे मुलाकात कर हाल चाल का जायजा लेते हुए गांवों के संबध में जानकारी हासिल किया। दिव्यांग में बलौदाबाजार वार्ड क्रमांक 12 निवासी कु सरिता पटेल, वार्ड क्रमांक 13 कौशल्या बंजारे, ग्राम पंचायत लाहौद निवासी मुकुरुदास मानिकपुरी को व्हीलचेयर एवं इसी तरह ग्राम पुरैनाखपरी निवासी उमापति साहू, ग्राम पंचायत कुसमी निवासी नान्हू पटेल को छड़ी आज प्रदान किया गया है। व्हील चेयर एवं छड़ी मिलने पर सभी आवेदकों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। इसी तरह जनदर्शन में आज अन्य 14 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसको समय सीमा के दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करने हेतु संबधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है।

कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक कल 19 जून बुधवार को अपराह्न 3:00 बजे महानदी भवन, मंत्रालय में आयोजित होगी।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.
(Government of Chhattisgarh Undertaking) OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (EITC)
CIN: U40108CT2003SGC015822 Telephone: (0771) - 2574 123, Fax: (0771)-2574 125 Website: www.cspdcl.co.in

07-01/EITC/Network/Tr-385/530 Raipur Dated -14-06-2024

NOTICE INVITING TENDER

1.Sealed offers are invited from experienced bidders for -

Tender No.	Particulars	Tender Document Fee	EMD	Due Date & time of submission
Tr-385 & RFx No. 8100036992	Supply & Installation of new UPS Batteries at DC Raipur and various remote sites	Rs. 5000	Rs. 87,000	09-Jul-24 14:00 Hrs.

1.For further details & downloading the Tender document, please visit at our web site www.cspdcl.co.in / tender/tender notices / central offices and e-bidding portal. 2. Any corrigendum or extension of due date of tender opening shall not be published in newspaper. It will be displayed only on the website and e-bidding portal.

SAVE ELECTRICITY Executive Director (EITC)

SAMVAD- 40458/ 3

आगजनी की घटना में मोटरसायकल जलने पर पत्रकार को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर संचार प्रतिनिधि कल्याण समित ने स्वीकृत की राशि

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में बीते 10 जून को घटित आगजनी की घटना में एक पत्रकार की मोटरसायकल जल जाने के कारण मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण समित ने आज 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मीडिया प्रतिनिधियों को गंभीर बीमारी और दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता तो स्वीकृत की जाती थी परंतु प्रदेश में इस तरह का यह पहला मामला है जब रिर्पोटिंग के दौरान पत्रकार की मोटरसायकल दुर्घटनाग्रस्त होने पर राज्य सरकार की संवेदनशील पहल पर संचार प्रतिनिधि कल्याण समिति द्वारा पत्रकार को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

गौरतलब है कि जनसंपर्क आयुक्त श्री मयंक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज संचालनालय में राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण सहायता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मीडिया प्रतिनिधियों के अन्य प्रकरणों का निराकरण करते हुए बलौदाबाजार जिले में बीते 10 जून को हुई आगजनी की घटना में ए.एन.आई. के रिपोर्टर श्री अजय यादव की मोटर सायकल जल जाने से उन्हें समिति ने 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार और राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण सहायता समिति के सदस्य श्री जोसेफ पी. जान, श्री सुभाष मिश्रा, श्री दीपक लखोटिया, श्री संजय दीक्षित, श्री आर.के. गांधी, श्री टी.सूर्याराव, श्री प्रणय राज सिंह राणा और समिति के सदस्य सचिव अपर संचालक श्री संजीव तिवारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11925/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11925
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445N00158** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARITA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINESH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ABHISHEK NAIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAWAHAR NAIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12091/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12091
वार्ड का नाम- 25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00766** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HIRA BAI, MUKUND RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUKUND RAO RAIKAR, RAO JI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अनिता रायकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **प्रभुदास रायकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12147/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12147
वार्ड का नाम- 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00771** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NANDLAL S/O BIRJHU, CHAITRAM S/O NANDLAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेश साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. चैतराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ .... / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी **डुमरतराई फेस-1,** जिला रायपुर में स्थित **एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-116, ब्लॉक क्रमांक-05, पंचम तल (जी+6), श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.) कर्ता- श्री फूलचंद गोलछा, पिता श्री आसकरण गोलछा,** निवासी- बालक चौक, धमतरी, तहसील व जिला धमतरी (छ.ग.) को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक **05.05.2017** पंजीकृत कराने के अउपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर पत्र क्रमांक **5166** दिनांक **07.06.2017** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है।

वर्तमान में आबंटी **श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.) कर्ता- श्री फूलचंद गोलछा, पिता श्री आसकरण गोलछा** की मृत्यु दिनांक **27.03.2022** को हो गया है एवं कर्ता- **फूलचंद गोलछा की पत्नी श्रीमती आशा देवी गोलछा** की भी मृत्यु हो चुकी है। **श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.)** के एकमात्र जीवित सदस्य **श्रीमती कैलाश देवी गोलछा** है व उनके **पति श्री रानीदान गोलछा** की भी मृत्यु हो जाने के उपरांत **श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.) कर्ता- श्रीमती कैलाश देवी गोलछा, पति स्व. श्री रानीदान गोलछा,** निवासी- म.नं.-136, बालक चौक, धमतरी, तहसील व जिला- धमतरी (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र/ सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त फ्लैट को आबंटी **श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.) कर्ता- श्री फूलचंद गोलछा** की मृत्यु होने के उपरांत प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर **श्री बी.ए. गोलछा (एच.यू.एफ.)** संमति के कर्ता- **श्रीमती कैलाश देवी गोलछा, पति स्व. श्री रानीदान गोलछा** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त फ्लैट के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12137/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12137
वार्ड का नाम- 39 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715D00229** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAILASH CHANDRA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SATYANARAYAN AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **हार्दिक ट्रेड लिंकस प्रा.लि. द्वारा- हार्दिक कालडा पिता सुनील कालडा, सुनील कालडा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. रामलाल कालडा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12268/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12268
वार्ड का नाम- 15 - कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108D0278A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. MANOJ SEN 2. NITESH KUMAR SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FATTECHAND SEN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DINESH SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PHATEH CHAND** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11654/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11654
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446Q00621** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHIV KUMARI DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMESH CHANDRA RAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI SAHIL SUBHAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI DEEPAK KUMAR KARNA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12177/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12177
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR651C00247** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KISHORI PAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. KRISHNA PAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAMAL NARAYAN DEWANGAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O NAND KUMAR DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12176/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12176
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653N0124C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SIDHARTH RATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH RATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. TUKESHWARI SAHU, 2. NAND KISHOR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O 1. NAND KISHOR SAHU, S/O 2. ALAKHRAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12143/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12143
वार्ड का नाम-22- पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR569F00240** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADANPAL SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJVEER SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **उर्वशी देवांगन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **शंकरलाल देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12093/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12093
वार्ड का नाम-22- पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR569F0158B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAVI DODWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK DODWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राकेश कुमार चंद्राकर पिता चम्मन लाल चंद्राकर, प्रकिता चंद्राकर पति राकेश कुमार चंद्राकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12092/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12092
वार्ड का नाम-23-शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812D00538** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK AGRWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SADHU RAM AGRWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ईश्वर साहू पिता सीता राम साहू, मोहम्मद फिरोज आलम पिता मोहम्मद खुर्शिद आलम** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12136/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12136
वार्ड का नाम-23-शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812D00456** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHARAT LAL YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कौशिल्या यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. भरत लाल यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./12229/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 18-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12229
वार्ड का नाम- 25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819A0187A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DURPAT, KEJURAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **लक्ष्मी बाई साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. रतन लाल साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, पारिवारिक व्यवस्था पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 168 दिनांक 14.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **26** मांग **पंजी क्र. 327 युआईडी 35189** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **संजूला बाई मोहले/ लिलस दास मोहले** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **जयपाल बेरवंश/ कमलनारायण बेरवंश** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 167 दिनांक 14.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **26** मांग **पंजी क्र. 326 युआईडी 35188** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **दीपा मोहले/ पुरुषोत्तम मोहले** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **जयपाल बेरवंश/ कमलनारायण बेरवंश** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 169 दिनांक 14.06.2024
वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 984 युआईडी 36099** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **शहनाज बानो/ अब्दुल जब्बार डगली** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **योगेश कुमार देवांगन/ गंगाराम देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 166 दिनांक 14.06.2024
वार्ड का नाम- सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **20** मांग **पंजी क्र. 1031 युआईडी 37078** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **डी.एम. बिल्डर्स/ परेश कुमार मानिक** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बिजय कुमार अग्रवाल/ धनीराम अग्रवाल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 170 दिनांक 14.06.2024
वार्ड का नाम- मां परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **25** मांग **पंजी क्र. 366 युआईडी 24902** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **शंखुसिंग राजपूत/ जगमोहन सिंग राजपूत** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राखी राजपूत/ शंखुसिंग राजपूत** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11997/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11997
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446E00382** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **URMILA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAILASH KINGRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. AMRITA MIDHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI AMAN DUA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11596/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11596
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445L0229A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL KABIJ-NIRANJAN TANDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. JAGU TANDI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAMESH TANDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI NIRANJAN TANDI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **DAN PATRA, SAPATH PATRA, RASID**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11789/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11789
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445N00239** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAYA MEHROTRA, MEGHA KOHLI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NIPUN MEHROTRA, GIRSIH KOHLI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. POOJA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI MAHENDRA TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 19 जून 2024

हमर संग कार्यक्रम के अंतर्गत गुम बालक बालिकाओं का दस्त्याबी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा

2 अपहृत बालिका एवं 1 गुम युवती को महाराष्ट्र एवं रायपुर से बरामद करने में मिली सफलता

जांजगीर चांपा । हमर पुलिस हमर संग कार्यक्रम अभियान के तहत थाना नवागढ़ क्षेत्र के अलग अलग प्रकरणों में 02 अपहृत बालिका एवं 01 गुम युवती को महाराष्ट्र एवं रायपुर से बरामद करने में मिली सफलता। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में हमर पुलिस हमर संग कार्यक्रम के अंतर्गत गुम बालक बालिकाओं का दस्त्याबी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसमे थाना नवागढ़ अलग अलग प्रकरण में गुम बालिकाओं एवं एक गुम युवती का महाराष्ट्र एवं रायपुर तरफजाने का सूचना प्राप्त हुआ था जो थाना नवागढ़ से टीम बनाया गया जिसमे एएसआई हीरालाल एक्का, आरक्षक बलराम यादव के टीम को महाराष्ट्र तरफरवाना किया गया जहा पर पहले प्रकरण की 15 वर्षीय अपहृता दिनांक 16/05/24 को बिना बताए अपने घर से अज्ञात व्यक्ति के बहलाने फुसलाने से कही चली गई थी जिस पर थाना नवागढ़ में अपराध क्रमांक 178/24 धारा 363 ipc कायम कर विवेचना में लिया गया। अपहृता का लोकेशन महाराष्ट्र तरफमिलने से टीम के द्वारा महाराष्ट्र अहमदनगर में बरामद किया गया पूछताछ पर अपहृता के द्वारा बताया गया की अपहृता के गांव में ग्राम छिर्रा का आरोपी कबीर बंजारे द्वारा शादी करने का झांसा देकर, बहला फुसलाकर भगा के ले गया था। जिस पर आरोपी के विरुद्ध थाना नवागढ़ में धारा 363, 366, 376 भादवि एवं 4, 6 पाक्सो एक्ट कायम कर आरोपी कबीर बंजारे निवासी छिर्रा को गिरफतार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। एक अन्य प्रकरण में अपहृता दिनांक 11/6/24 को अपने गांव से बिना बताए कही चली गई थी जिस पर से थाना नवागढ़ में अपराध क्रमांक 211/24 धारा 363 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया 15 वर्षीय अपहृता को रायपुर अपने सहेलियों के साथ कमाने चली गई थी जो बाद में खुद घर में बताई की रायपुर में काम नही मिला वापस आना चाह रही है सूचना मिलते ही नवागढ़ पुलिस के द्वारा रायपुर से घर वालो के साथ जाकर वापस लाया गया, व बरामद किया जाकर उसके परिजनों को सुरक्षित सुपुर्द किया जाकर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। थाना नवागढ़ के एक अन्य प्रकरण में गुम इंसान युवती जो 02/05/24 को बिना बताए अपने घर से चली गई थी जिसकी सूचना पर थाना नवागढ़ में गुम इंसान क्रमांक 35/24 कायम कर जांच में लिया गया था।

गुम युवती की रहने की सूचना महाराष्ट्र के जलगांव में मिला जो नवागढ़ से टीम बनाकर भेजा गया था जिसे जलगांव महाराष्ट्र से बरामद जाकर प्रकरण में विधिवत अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भास्कर शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक हीरालाल एक्का, महिला प्रधान आरक्षक स्वाति गिरोलकर, आर. बलराम यादव, कुलदीप खूटे एवं साइबर सेल से विवेक सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने लिया 16 जून को बड़ा निर्णय

निजी एवं सरकारी स्कूलों के बच्चों की हो गई मौज

सक्ती। वर्तमान में पड़ रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय नया रायपुर ने 16 जून 2024 को एक बड़ा निर्णय लेते हुए विगत 22 अप्रैल 2024 से 15 जून 2024 तक घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश को आगे बढ़ाते हुए 25 जून 2024 तक कर दिया गया है, तथा 26 जून से छत्तीसगढ़ प्रदेश की सभी सरकारी एवं निजी शालाएं प्रारंभ होगी एवं उपरोक्त निर्णय वर्तमान में पड़ रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए लिया गया है, ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में 18 जून से शाला प्रवेश उत्सव की तैयारियां जोरों से चल रही थी, तथा इसके लिए प्रत्येक जिलों में कलेक्टर ने बैठक लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित कर दिया था, तो वहीं जिला शिक्षा अधिकारियों ने विकास खंड स्तर पर बैठक लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली थी, किंतु अब यह शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम स्थगित होकर 26 जून से प्रारंभ होगा, उपरोक्त आदेश छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिध्दार्थ कोमल परदेशी ने जारी किया है।

बिना सूचना बोर्ड के घटिया नाली निर्माण नगर पंचायत जैजैपुर में

डबल इंजन की सरकार होने पर खुलकर भ्रष्टाचार को अंजाम

जैजैपुर। नगर पंचायत जयजयपुर में वार्ड क्रमांक 5 में बंद रहे नाली निर्माण जो घटिया किस्म का बनाया जा रहा है । न तो नाली में तराई किया जा रहा है नहीं शासन के आदेश अनुसार कोई सूचना बोर्ड लगाया गया है यह बात आई की 56 लाख रुपए की लागत से नाली निर्माण का कार्य किया जा रहाहै। जो सामग्री नाली में डाली जा रही है उसमें गुणवत्ता विहीन होने के कारण यह नाली कितने वर्षो तक चल पाएगा यह कहां नहीं जा सकता लेकिन जब उसमें ही गुणवत्ता का अभाव स्पष्ट झलक रहा है जब उसमें तराई ही नहीं होगा तो वह मजबूत किस तरह से होगा जब हमने ठेकेदार से संपर्क किया कि नाली निर्माण में तराई नहीं किया जा रहा है तो उन्होंने कहा कि आपका मोहल्ले के ही लोग मजदूरी कर रहे हैं जबकि ठेकेदार को वहां जाकर उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि पर्याप्त मात्रा में पानी की तराई एवं सही गुणवत्ता के आधार पर उसमें सामग्री की मिलावट ही सही गुणवत्ता को दर्शाती है लेकिन ना तो सूचना पटल है, नहीं तराई हो रही है घटिया निर्माण किया जा रहा है क्योंकि डबल इंजन की सरकार होने के कारण और खुला भ्रष्टाचार में यह ठेकेदार डूबते हुए दिखाई दे रहे हैं आखिर में शिकायत किनके पास करें क्योंकि प्रदेश एवं केंद्र में ही भाजपा की सरकार है। और कार्य भी ठेकेदार भारतीय जनता पार्टी के होने के नाते खुलकर भ्रष्टाचारी कर रहे हैं उनका साफ कहना है जहां शिकायत करना है वहां कर लो हमारा क्या होने वाला है केंद्र और राज्य में दोनों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर का हाल बेहाल डॉ बंजारे द्वारा किया जा रहा मोबाइल से ईलाज

निजी सोनोग्राफी सेंटर में दे रहे अधिक ध्यान

जैजैपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में देखने वाली बात यह आती है कि वे सभी नियम कानून कायदो को ताक में रखकर अपने मनमौजी तरीका से स्वास्थ्य केंद्र का संचालन कर रही है जबकि ओपीडी खोलने का समय सुबह 9:00 से दोपहर 1:00 तक का है वहीं पर शाम 5:00 से 7:00 तक ओपीडी मार्च माह से अक्टूबर माह तक खुलने का समय है लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में यह ओपीडी 10:00 बजे के बाद ही खुलती है इस पर संज्ञान लेने वाला कोई नहीं है। वहीं पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर एस पी बंजारे भी स्वास्थ्य केंद्र नहीं आती केवल एसबीए ट्रेनिंग सेंटर में ही रहती है तथा अपने। निजी राशि सोनोग्राफी सेंटर में ही समय व्यातीत कर देती है यदि कोई मरीज उनसे संपर्क करना चाहता है तो मधुर वाणी में ना बात करके झललाती हुई बात करती है क्योंकि वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे मरीज देखने के लिए नहीं जाती इसका जीता जागता उदाहरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में लगे सी सी टी वी कैमरा ही बता पाएगा की वह कितने समय स्वास्थ्य केंद्र आती है और कहां बैठी है यदि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीज से यह पूछा जाए की ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कहां पर बैठी है तो कोई भी इनका जवाब नहीं दे सकती केवल वह अपने निजी सोनोग्राफी सेंटर केंद्र में अधिक ध्यान देती है। कोई प्रसव पीड़ा से मरीज आता है उस समय जब मरीज के परिजन उनसे संपर्क करते हैं तो उनसे भी वह सही ढंग से बात नहीं करती नर्स के द्वारा ही डॉक्टर एस पी बंजारे से संपर्क किया जाता है और मोबाइल से ही वह घर बैठे उपचार करती है। जबकि परीजन यह चाहते हैं कि डॉक्टर स्वयं आकर मरीज को देखें और उपचार करें लेकिन यहां पर डा शशि प्रभा बंजारे के द्वारा खाली मोबाइल से ही संपर्क कर उनका उपचार करवाते हैं। जबकि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर शशी प्रभा बंजारे स्त्री रोग विशेषज्ञ है उन्हें ही प्रसव से संबंधित जांच स्वयं ध्यान लगाकर करनी चाहिए तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी आकर अन्य मरीजों का ईलाज करना चाहिए वही उनका कर्तव्य है।

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के राजेश अग्रवाल बने जोन चेयरपर्सन

चांपा। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लायंस क्लब इंटरनेशनल की नवीन कार्यकारिणी का गठन पिछले दिनों किया गया जिसमें लायंस क्लब चांपा के पूर्व अध्यक्ष लायन राजेश अग्रवाल को लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के जोन चेयरपर्सन चुना गया। लायन राजेश अग्रवाल लायंस क्लब चांपा में सत्र 2017-2018 लायंस क्लब चांपा के कोषाध्यक्ष 2018-2019 लायंस क्लब के सचिव के रूप में 2019-2020 से 2022-2023 तक लगातार 4 वर्षों तक अपनी अध्यक्षीय सेवा प्रदान किये। जिसमें प्रतिवर्ष डॉक्टर्स डे, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर,पाठ्य सामाग्री वितरण, फल वितरण, स्कूल में पंखा वितरण, प्रसाद वितरण, अन्न दान, नेत्र जांच शिविर, सेवा सप्ताह के दौरान 2 से 8 अक्टूबर तक अनेक कार्य आयोजित किये जाते थे जिसमें स्वच्छता अभियान, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरण एवं निःशुल्क निःसंतान दम्पत्ति जांच शिविर शामिल है। विशेष रूप से तिलक सेवा संस्थान के बच्चों को कपड़ा वितरण, दर्री वितरण, टाट पट्टी वितरण, कोविड-19 के समय सभी नागरिक, सुरक्षा में तैयार सिपाही, हॉस्पिटल व ड्यूटी में कार्यरत अधिकारियों एवं स्टॉफ को भोजन प्रदान किया गया। तथा सत्र 2023-2024 लायंस क्लब में रीजन जीएमटी कोऑर्डिनेटर के रूप में भी अपनी सेवा प्रदान की एवं लायंस क्लब शिक्षण समिति के सचिव के पद पर रहते हुए लायंस स्कूल के समस्त कार्यक्रमों में अपनी सेवाएं प्रदान किये। इन्होंने अग्रवाल सेवा समिति में लगातार दस वर्षों से कोषाध्यक्ष की भी सेवा प्रदान की, श्याम बाबा मंदिर एवं दादी मंदिर में भी अपनी सेवाएं प्रदान करते रहते है। क्लब की स्थायी सेवागतिविधि के रूप में विगत 45 वर्षों से लायंस इंग्लिश हायर सेकेण्ड्री स्कूल का संचालन सूचारू रूप से किया जा रहा है। स्कूल में पढ़ाई की गुणवत्ता के साथ-साथ बच्चों का बहुमुखी विकास इसका मुख्य उद्देश्य है। लायन राजेश अग्रवाल के जोन चेयरपर्सन चुने जाने पर लायंस क्लब चांपा के सदस्यों द्वारा खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी।

कलेक्टर ने जिले के दिव्यांग खिलाड़ी पीलाबाबू को बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए दी शुभकामनाए

इंडियन व्हीलचेयर क्रिकेट प्रीमियर लीग

जैजैपुर। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कलेक्ट्रेट परिसर पर अपने कार्यालय कक्ष में दिव्यांग इंडियन व्हीलचेयर क्रिकेट प्रीमियर लीग के लिए जिले से चयनित खिलाड़ी पीलाबाबू सतनामी को ट्रेक शूट, टी-शर्ट, नये शू, बैट और बाल देकर बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इंडियन व्हीलचेयर प्रीमियर लीग सीजन 5 का आयोजन 18 से 23 जून तक बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल द्वारका सेक्टर 12, नई दिल्ली में आयोजन होने जा रहा है। जिसमें राज्य के तीन खिलाडियों कों विभिन्न जिलों से चयनित किया गया है। जिसमे सक्ती जिले से दिव्यांग खिलाड़ी पीलाबाबू सतनामी का भी चयन हुआ हैद्य जिस पर कलेक्टर ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैद्य इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर विश्वास कुमार, समाज कल्याण विभाग उपसंचालक सुनील मिश्रा, खेल अधिकारी हरी पटेल उपस्थित थे।

अनुकरणीय पहल की शांति सीता सेवा समिति ने पितृ दिवस पर पिता की करवाई बेटे से मुलाकात

सक्ती। शांति सेवा समिति के प्रमुख संस्थापक महेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में जहां निरंतर सेवा के काम एवं रचनात्मक कार्यों को गति दी जा रही है, तो वहीं इसी श्रृंखला में 16 जून को पितृ दिवस के मौके पर सारंगढ़ शहर के प्रसिद्ध गल्ला व्यवसायी बस स्टैंड निवासी उमेश गल्ला भंडार के संचालक लखन लाल रात्रे को उनके सुपुत्र रमेश रात्रे जो कि वृद्धाश्रम में रह रहे हैं, उनसे ले जाकर मुलाकात करवाते हुए आपस में मेल-जोल करवाया गया साथ ही इस अवसर पर वृद्ध आश्रम में उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों को पितृ दिवस की बधाई देते हुए उनका आशीर्वाद भी किया गया,एवं इस दौरान रमेश रात्रे द्वारा केक काटकर उपस्थित सभी वृद्ध जनों को स्वयं अपने हाथों से उनके सम्मान में केक खिलाया गया तथा खुशी का इजहार किया गया एवं सभी को जलपान भी कराया गया इस दौरान शांति सेवा समिति के प्रमुख महेंद्र अग्रवाल ने भी कहा कि आज का दिन बाद पुनीत दिवस है, तथा मैं आप सभी को पितृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए चरण स्पर्श करता हूं, इस अवसर पर काफी संख्या में अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 50 ट्रेने रद्द

चांपा। विकास कार्यों के लिए रेलवे ने छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 50 ट्रेनों को फिर कैंसिल कर दिया गया है.यह जानकारी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के मडल रेल उपभोक्ता सलाहकार के सदस्य सन्दीप सिंह सलूजा ने हमारे प्रतिनिधि को एक विशेष भेट में बताया है कि ये सभी गाड़ियां 19 जून से 10 जुलाई तक अलग-अलग दिनों में नहीं चलेंगी. इसकी वजह से कोलकाता, बिहार, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा. रेलवे प्रशासन के मुताबिक, पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में डेवलपमेंट के कार्य के चलते गाड़ियों का परिचालन कैंसिल किया है. भोपाल रेल मंडल के मालखेड़ी-महादेवखेड़ी रेलवे स्टेशनों को दूसरी रेल लाइन से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है. यह काम 16 जून से 10 जुलाई तक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की रद्द होने वाली गाड़ियां 29 जून एवं 06 जुलाई को उदयपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20971 उयदपुर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी. 30 जून एवं 07 जुलाई को शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20972 शालीमार-उयदपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी. 16, 23, 30 जून एवं 07 जुलाई को बीकानेर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20471 बीकानेर-पूरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी. 19, 26 जून एवं 03, 10 जुलाई को पूरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20472 पूरी-बीकानेर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 जून एवं 06 जुलाई को शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22830 शालीमार- भुज एक्सप्रेस रद्द रहेगी. 02 एवं 09 जुलाई को भुज से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22829 भुज-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी. 27 जून एवं 04 जुलाई को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18573 विशाखापटनम-भगत की कोठी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 जून एवं 06 जुलाई को भगत की कोठी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18574 भगत की कोठी-विशाखापटनम एक्सप्रेस रद्द रहेगी.

पितृ दिवस पर अग्रवाल संगठन की महिला इकाई ने हरी भजनाश्रम में किया कार्यक्रम का आयोजन

सक्ती। छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन महिला इकाई के द्वारा पितृ दिवस के उपलक्ष्य पर स्थानीय श्री हरि भजनाश्रम भवन राम मंदिर के प्रांगण में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, सर्वप्रथम स्वागत उद्बोधन अध्यक्षा मंजू गोयल ने किया, स्वागत गीत खुशी शर्मा ने गाया एवं गीता शर्मा ने पिता के ऊपर कविता के माध्यम से अपने विचार रखे, इस दौरान सभी सम्माननीय अग्रजनो ने अपने अनुभव को साझा किया, सभी ने अपने-अपने अनुभव बताते हुए वर्तमान की नई युवा पीढ़ी हेतु आवश्यक दिशा दिखाई, साथ ही वर्तमान के विवाह संबंध जो बहुत ही कम समय मे बिखर रहे है उस पर चिंता जताते हुए इसमें सुधार लाने हेतु चिंतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।महिलाओं द्वारा उपस्थित अग्र पुरुषों को तिलक लगाया, प्रांतीय संगठन मंत्री सुभाष गोयल द्वारा सभी का माला पहनाकर स्वागत किया गया एवम पिता के सम्मान में एक कविता सुनाई साथ ही महिला सदस्य सरोज गोयल द्वारा गेम खिलाया विजेता और उपविजेता को पुरुष्कृत किया गया, सभी को मोमेंटो देकर उनका आशीर्वाद लिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ओमप्रकाश रेहड़िया, लखीराम गोयल, रामलाल अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, करता राम गुप्ता, गरीब राम अग्रवाल, हीरालाल गर्ग जी व अग्रवाल सभा सचिव संजय अग्रवाल ने उपस्थित रह कर इस कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की, कार्यक्रम को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन अंबिकापुर महिला इकाई की सभी पदाधिकारी व सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था महिला संगठन द्वारा की गई थी

बम्हनीडीह जोन का प्रथम चरण का शिक्षक प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

जांजगीर चांपा । बम्हनीडीह जोन में चार दिवसीय एफ एल एन प्रशिक्षण का प्रथम चरण सफलतापूर्वक बीआरसीसी भवन में संपन्न हुआ। जिसमें लखुर्री, बम्हनीडीह पुछेली संकुल के समस्त शिक्षक-शिक्षिका सम्मिलित होकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता ज्ञान की समझ बना पाए। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पठन, लेखन, गणितीय कौशल आदि बिंदुओं पर गहनता से चार दिन तक शिक्षक प्रशिक्षण हुआ। रटन एवम पुराना शिक्षण पद्धति से इतर नए व आधुनिक पद्धतियों से शिक्षको को परिचित कराया गया। स्कूली बच्चों को इक्कीसवीं सदी के लिए तैयार करने हेतु नई शिक्षा नीति में सुझाए तरीको को अपनाने हेतु सभी शिक्षको को प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सेजेस बम्हनीडीह के प्राचार्य बजरंग श्रीवास ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस तरह प्राथमिक स्कूल के शिक्षक का दायित्व बहुत बढ़ जाता है प्राथमिक स्कूल के शिक्षक ही बच्चो का नीव तैयार करते है। उनके त्याग और समर्पण के वजह से ही बच्चो का बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान मजबूत हो पाता है। इसलिए प्राथमिक स्कूल के शिक्षको को उचित सम्मान मिलना चाहिए। इसी क्रम में बम्हनीडीह बी ई ओ एम डी दीवान ने कहा कि सभी शिक्षक ईमानदारी पूर्वक काम करे व निपुण भारत और एफ एल एन के लक्ष्यो को प्राप्त करे।शिक्षको को प्रेरित करते हुए बी आर सी बम्हनीडीह बेहर ने कहा कि शत प्रतिशत बच्चो को स्कूल में प्रवेश दिलाए और शाला प्रवेश को एक उत्सव की तरह मनाए। उक्त प्रशिक्षण में दुष्यंत राज, गुलजार बरेठ, धरम दास मानिकपुरी, अजीम प्रेमजी फाऊन्डेशन के निशांत डी आर के रूप में शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाए। इस तरह बम्हनीडीह जोन का चार दिवसीय प्रथम चरण का शिक्षक प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 19 जून 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार के छह माह

अग्निवीरों के बेहतर..... भविष्य की बुनियाद हो

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है। माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे। साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है। इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुनः बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसे में इन्हें अप्रशिक्षित कामगारों के तौर पर काम के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। बाइस साल उम्र में जब ये युवा सेवा से बाहर होंगे तो नए सिरे से इन्हें काम की तलाश में भटकना पड़ सकता है। लाजमी है, सरकार ने इसी तरह की समस्याओं को सुलझाने के लिए समीक्षा व सुझाव की कोशिश की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन के ट्रैक पर छत्तीसगढ़ ने फिर से विकास की रफ्तार पकड़ ली है। बीते छह माह पर नजर डाले तो साय सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए बहुत कम समय में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए वर्ष 2047 तक विकसित-छत्तीसगढ़ का निर्माण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ के लोगों को गारंटी दी थी कि छत्तीसगढ़ में लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि के लिए सुशासन की स्थापना की जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक अलग सुशासन और अभिसरण विभाग का गठन किया है। यह विभाग कल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए काम कर रहा है। सभी विभागों को सुशासन के लिए अधिक से अधिक आईटी का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसंबर 2023, सुशासन दिवस पर अटल मॉनिटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। साय सरकार ने आवासहीन और जरूरतमंद 18 लाख परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, 13 लाख से अधिक किसानों को धान की बोनस राशि, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी, महतारी वंदन योजना में 70 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाओं को हर माह एक-एक हजार रूपए देने जैसे अनेक निर्णयों पर क्रियान्वयन किया है। राज्य के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में माओवाद उन्मूलन के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नियद नेल्लानार योजना शुरू की गई है। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, रामलला दर्शन योजना, उद्यम क्रांति योजना जैसी कई अभिनव योजनाओं की शुरूआत हुई है। लोकतंत्र सेनानियों (मीसा बंदियों)

की सम्मान निधि फिर से शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 13 जून से सभी विभागों में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए समीक्षा बैठक लेने का सिलसिला शुरू कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि जन कल्याणकारी कार्यक्रम का क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता रखें। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा है कि आम नागरिकों की दिक्कतें दूर करने के लिए संवेदनशील होकर कार्य करें। लोकसभा निर्वाचन के बाद अब शासन की योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार तेजी से काम कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना जैसी अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन पर तैयारी शुरू कर दी गई है। राजस्व प्रशासन को भी मजबूत किया जा रहा है। भूमि संबंधी विवादों और दिक्कतों को दूर करने के लिए भू-नक्शों की जियो रिफरेसिंग पर भी रणनीति तैयार कर ली गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने स्वीकृति दे दी। इसके लिए 12 हजार 168 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। मोदी जी ने प्रदेश के किसानों को गारंटी दी थी कि सरकार बनने पर राज्य के किसानों को 2 साल का बकाया धान बोनस देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस, सुशासन दिवस पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 13 लाख किसानों के बैंक खातों में 3716 करोड़ रुपए का बकाया धान बोनस अंतरित कर इस गारंटी को भी पूरा किया है। साय सरकार ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदने की गारंटी को पूरा करते हुए 32 हजार करोड़ रुपए के समर्थन मूल्य की राशि का तत्काल भुगतान किसानों को किया और फिर 12 जनवरी को 24 लाख 75 हजार किसानों को कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत अंतर की राशि 13 हजार 320 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की है। इस साल खरीफ सीजन में राज्य में 145 लाख मीटिरक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं के बैंक खातों में राशि अंतरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की वर्चुअल उपस्थिति में 10 मार्च 2024 को हुआ। इस योजना के अंतर्गत राज्य की पात्र महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। योजना का लाभ 70 लाख से अधिक महिलाओं को मिल रहा है। अब तक इस योजना की चार माह की राशि जारी की जा चुकी है। पिछली सरकार ने महिला स्व सहायता समूहों से रेडी टू ईट का काम छीन लिया था। छत्तीसगढ़ सरकार ने अब फिर से उन्हें यह काम सौंप दिया है। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्या में विराजमान रामलला के दर्शन हेतु निःशुल्क आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है। शासकीय व्यय में अब तक हजारों दर्शनार्थी रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या भेजे जा चुके हैं। राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर अब 5500 रुपए प्रति मानक बोरा कर दी गई है। चालू तेंदूपत्ता सीजन से ही 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को योजना का लाभ मिल रहा है। संग्राहकों के लिए राज्य सरकार द्वारा चरण पादुका योजना भी शुरू की जाएगी, साथ ही उन्हें बोनस का लाभ भी दिया जाएगा। युवाओं की बेहतरी के लिए राज्य सरकार ने अहम निर्णय लेते हुए पुलिस विभाग सहित विभिन्न शासकीय भर्तियों में युवाओं को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट का निर्णय लिया है। अभ्यर्थियों को 31 दिसंबर 2028 तक आयु सीमा में 05 वर्ष छूट का लाभ मिलेगा। यूपीएससी की तर्ज पर छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए यूपीएससी के पूर्व चेयरमेन प्रदीप कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोग का गठन कर दिया गया है। पीएससी की घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। राज्य की 5 शक्तिपीठों के विकास के लिए बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान कर दिया गया है। शक्तिपीठों के विकास के लिए चारधाम की तर्ज पर 1000 किलोमीटर की परियोजना शुरू की जाएगी। ग्रामीण घरों को नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य में युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए उद्यम क्रांति योजना शुरू करते हुए बजट प्रावधान भी कर दिया है। इस योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। राज्य में सड़क, रेल और हवाई यातायात की सुविधाओं के विस्तार का काम भी शुरू हो चुका है।

विशेष लेख

भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर

संजीव ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं। निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट्र प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया। पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्त्रइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्त्रइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया,नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी। भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विश्वास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ बहुत महत्त्वपूर्ण होकर जटिल भी होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की हर भूमिका को बड़े ही शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का कार्य बखूबी निभाया है। और भारत राष्ट्र जिस तरीके से आत्मनिर्भर होकर विदेश की सरकारों से अपने संबंध स्थापित किए हैं, उससे यह दिन दूर नहीं जब भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य बनाकर, वैश्विक शांति के लिए शांतिदूत का दर्जा दिया जाएगा।

मांसाहार,शाकाहारी समाज के साथ धोखा

विजय कुमार जैन

देश में भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा खाद्य उत्पादों, बिस्किट, चॉकलेट आदि में मांसाहार मिश्रण कर उपभोक्ताओं को धोखा दिया जा रहा है। लेज में सूअर की चर्बी के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। कंपनियों द्वारा सरकार से मिलकर जो खाद्य उत्पाद बाजार में बेच रहे हैं उनमें मांसाहार मिश्रण किया जा रहा है। कंपनियों द्वारा उत्पादन में मांसाहार का वितरण श्व कोड के नाम पर किया जा रहा है शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को हरे एवं लाल रंग में वर्गीकृत करने के खेल में देश में कम्पनियों द्वारा समाज के साथ जबरदस्त धोखा किया जा रहा है, और इसमें सरकार भी शामिल है। मांसाहारी पदार्थों के मिश्रण और प्रोडक्ट सोर्स श्वकोड के अंकित करने के खेल से आम नागरिक एवं समाज अनजान है। इस मामले में खोज खबर ली गई तो सारा माजरा सामने आ गया। हर घर में पाए जाने वाले पारले, सनफीस्ट, कैडबरी, नेस्ले, ब्रिटानिया, आईटीसी, प्रिया गोल्ड, रिंगली न्यू टोन, कैंडीमैन जैसी दर्जनों कम्पनियों के उत्पादन में मांसाहार का मिश्रण है। उल्लेखनीय की कुछ दिन पूर्व लेज कुरकुरे जैसे खाद्य पदार्थों में मांसाहार आप मिश्रण होने की खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। इसके बाद भी धार्मिकता की हित संरक्षक समझी जाने बाली भाजपा सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। पर इस खबर के बाद जागरूक नागरिकों धर्म गुरुओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं ने जरूर अपने-अपने प्रयास प्रारंभ किए हैं लाल- हरे रंग के चिन्ह के नाम पर धोखा दिया जा रहा है दुनिया में यूरोपियन देशों में खाद्य पदार्थों के लिए बनाए गए कड़े कानून के बावजूद भारत में सन 1993 में इस विषय में प्रयास शुरू हुए और मांसाहार के लिए लाल एवं शाकाहार के लिए हरे चिन्ह अंकित करने का नियम बनाया गया। सरकारी अधिसूचना के अंतर्गत पशु पक्षियों के बाल, नाखून, पंख, चर्बी और अंडे की जर्दी को मांसाहार की श्रेणी से बाहर रखा गया है। जिसके चलते विभिन्न देशी विदेशी कंपनियां अपने मांसाहारी खाद्य उत्पादकों पर हरा चिन्ह लगाकर शाकाहारी पदार्थों के रूप में बेच रहे हैं। जबकि असलियत कुछ और ही है, इन पदार्थों में मांसाहार भी मिश्रित है। भारत सरकार ने इन कंपनियों की धोखा धड़ी को नजर अंदाज कर इन पदार्थों में मिश्रित मांसाहार अवयवों को सीधे लाल चिन्ह न लगाकर श्व कोड में लिखने के नियम बना दिए। इसके चलते आम उपभोक्ता अनजाने में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व का सेवन कर रहे हैं। विचारणीय विषय यह है कि इस अज्ञानता के चलते हमारे धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही है। हमने यह भी जानने का प्रयास किया है ही नंबर कोड का क्या है, मांसाहारी पदार्थों के मिश्रण को श्व कोड नंबर में लेकर जाने के नियम क्यों और किसके के लिए बनाए गए हैं। यह ज्यादा सोध का विषय नहीं है। क्योंकि कोई भी अनपढ़ व्यक्ति भी समझ सकता है कि यह सारी प्रक्रिया उत्पादकों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा अपनायी है। वहीं जहां पर कोड की पहचान की बात है। तो अच्छा खासा पढ़ा लिखा नागरिक भी आसानी से उत्पाद कोड को नहीं समझ सकता। जीव हत्या पर प्रार्थना स्रोत को द्र471 02 और संभावित जीव हत्या कर प्राप्त मांस स्रोत को श्व 471, श्व 322, श्व102 और संभावित जीव हत्या कर प्राप्त मांस को श्व 472, श्व 322, श्व 481, श्व 270, श्व 322, श्व 222 नंबर दिए गए हैं इसके अलावा बच्चों के लिए हानिकारक स्रोत के लिए श्व 296, श्व 110, श्व 102, श्व133 नंबर दिए गए हैं पारले कंपनी के उत्पाद क्रेक जैक, पारले-जी, मोनाको, ऑरेंज क्रीम बिस्किट, बटरकप ट्रॉफी, कच्चा मैंगो बाइट, किस्मी बार, बटर कप, सनफीस्ट कंपनी के उत्पाद सनफीस्ट बिस्किट, स्पेशल बिस्किट, स्नेहको झिंगा, ग्लूकोज बिस्किट, कैडबरी के उत्पाद फाइव स्टार, डेरी मिल्क, बॉर्नविटा मिल्क पाउडर, इकलेयर चॉकलेट, मिल्क ट्रीट, जेम्स, लेस्ले की मिल्क चॉकलेट, मैगी, टोमेटो सॉस, नेस्ले बोरबन बिस्किट, ब्रिटानिया कंपनी के उत्पाद ब्रिटानिया 50-50, जिगजाग, गुड्डे और नाइस टाइम बिस्किट, प्रिया गोल्ड क्लासिक क्रीम, स्नीकाई सीएनसी कोकोनट बिस्किट, रिंगली के सेंटर प्रेश, न्यू ट्रीन महालेक्टो, जेम्स और कैंडीमैन, मिंटो पेरीज बिगो, केपी फूड परपेटी के विभिन्न उत्पादों में कोड डाला है।

भारत में खाद्य उत्पादकों कम्पनियों द्वारा शाकाहारी समाज को मांसाहारी उत्पाद धोखाधड़ी से बेचने के षड़यंत्र में धार्मिक संतों एवं बुद्धि जीवी जनों ने अपने स्तर पर प्रयास किये है। समाधिस्थ जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज ने जागरूकता के अनेक अभियान चलायें। वर्तमान में उनके शिष्य मुनि राजों एवं आर्यिकाओं द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। गत दो वर्ष पूर्व राघौगढ़ नगर में आर्यिका निष्काम मती,विरत मती एवं तथा मती जी का वर्षायोग चातुर्मास हुआ। आर्यिका संघ ने लगातार चार माह तक जागरूकता अभियान चलाकर 5 वर्ष से 20 वर्ष तक के युवकों को आजीवन फास्ट फूड, मैंडी,बर्गर, चाउमिन, पिज्जा सहित इन कंपनियों के उत्पाद बिस्किट, चाकलेट आदि के त्याग की प्रतिज्ञा दिलायी। विचारणीय विषय यह है कि एक सौ चालीस करोड़ की जनसंख्या बाले देश में सौ, पांच सौ या एक हजार को प्रतिज्ञा दिलाने से सुधार नहीं नहीं होगा। जब तक केन्द्र सरकार इस धोखाधड़ी को रोकने कठोर कदम नहीं उठायेगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मोदी से बेहद खफा

अजय सेतिया

जिस बात का खंडन किया जा रहा था, या जिस पर बोलने से इंकार किया जा रहा था, वह बात अब खुल कर सामने आ गई है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा, भाजपा सरकार और खासकर नरेंद्र मोदी से बेहद खफा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत या कोई बड़ा पदाधिकारी मोदी के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुआ था। अब सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान सामने आ गया है, जिसमें उन्होंने नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना कहा - सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होता और वह दूसरों को कोई चोट पहुंचाए बिना काम करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नहीं प्रधान सेवक हैं। मोहन भागवत के शब्दों को देखिए - एक सच्चा सेवक काम करते समय मर्यादा बनाए रखता है... जो मर्यादा बनाए रखता है, वह अपना काम करता है, लेकिन अनासक्त रहता है। इसमें कोई अहंकार नहीं है कि मैंने यह किया है। केवल ऐसे व्यक्ति को ही सेवक कहलाने का अधिकार है। मोहन भागवत ने संभवत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ ही इशारा करके कहा है कि चुनाव में शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखा गया। रविवार को शपथ ग्रहण के बाद अगले दिन जिस समय नई गठबंधन सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हो रही थी, ठीक उसी समय मोहन भागवत नागपुर में स्वयंसेवकों के विकास वर्ग के समापन कार्यक्रम में आरएसएस पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। चुनावों के दौरान ऐसी कई खबरें आई थीं कि संघ के स्वयंसेवक इस बार भाजपा उम्मीदवारों के लिए पहले जैसी ऊर्जा से काम नहीं कर रहे। ये खबरें कितनी सही थी, कितनी गलत, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन चुनाव नतीजों के बाद इन खबरों को ज्यादा हवा मिली कि यह संघ की नाराजगी का प्रतिफल है कि भाजपा को महाराष्ट्र, कर्नाटक,

बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और हरियाणा में काफी सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। सरसंघचालक मोहन भागवत के इन दो वाक्यों ने इसकी पुष्टि ही की है कि संघ कुछ कारणों से भाजपा से नाराज है। चुनावों के दौरान ऐसी दो बातें हुई थीं, जिनसे संघ की तथाकथित नाराजगी की खबरें बनी थी। एक तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का वह बयान था, जिसे मीडिया ने तोड़ मरोड़ कर पेश किया था कि भाजपा संघ पर निर्भर नहीं है, वह सक्षम है, और उसे संघ की जरूरत नहीं है। हालांकि जेपी नड्डा ने एक इंटरव्यू में ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया था। जेपी नड्डा ने कहा था कि - हर किसी का अपना काम है, आरएसएस एक सांस्कृतिक संगठन है और भाजपा राजनीतिक संगठन है। शुरुआत में हम कम सक्षम थे और हमें आरएसएस की जरूरत थी। आज हम बड़े हो गए हैं और हम सक्षम हैं, भाजपा खुद को चलाती है, यही अंतर है। दोनों संगठनों में एक दूसरे का बहुत सम्मान है। मीडिया में कुछ लोग आरएसएस और भाजपा संबंधों पर अटकलें लगाना पसंद करते हैं। वे षड्यंत्र के सिद्धांत और मिथक फैलाते हैं। लेकिन उनके इस कथन को अन्य मीडिया ने उसी तरह तोड़मरोड़ कर पेश किया जैसी नड्डा ने आशंका व्यक्त की थी। नड्डा ने यह कभी नहीं कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। यह बिलकुल वैसा ही हो गया, जैसे करीब 30 साल पहले दिल्ली के एक हिन्दी दैनिक में छपे एक लेख ने गोविन्दाचार्य की ओर से अंग्रेजी में कहे गए एक शब्द का हिन्दी रूपान्तर ऐसा कर दिया था कि अटल बिहारी वाजपेयी बुरा मान गए थे। एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल भाजपा मुख्यालय में पार्टी महासचिव गोविन्दाचार्य से मिलने आया था। बातचीत में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ने पूछा कि आप कांग्रेस का विकल्प कैसे बन सकते हैं, जबकि आपके नेता लालकृष्ण आडवानी कट्टर हिंदूवादी नेता के तौर पर माने जाते हैं। तो गोविंदाचार्य ने कहा था कि अवर फेस इज ए वेरी लिबरल अटल बिहारी वाजपेयी। यानी पार्टी का चेहरा बहुत ही उदारवादी अटल बिहारी वाजपेयी हैं, लेकिन लेख में चेहरे की जगह अटल बिहारी वाजपेयी को मुखौटा लिखा गया था। लेकिन मीडिया की ओर से फैलाई गई झूठी खबर का संघ स्वयंसेवकों पर असर नहीं पड़ा होगा, ऐसा नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर नहीं गए थे। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा पर भी बोला। विपक्ष ने चुनावों में आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जानबूझ कर मणिपुर की अनदेखी की। मणिपुर का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा, हर जगह सामाजिक वैमनस्य है, यह अच्छा नहीं है। पिछले एक साल से मणिपुर शांति का इंतजार कर रहा है। पिछले एक दशक से यह शांतिपूर्ण था। ऐसा प्रतीत होता था कि पुराने समय की बंदूक संस्कृति ख़त्म हो गई थी, लेकिन बंदूक संस्कृति अचानक फिर उभर आई, या उभारी गई। भागवत ने एक तरह से सरकार पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहा कि मणिपुर आज भी जल रहा है, इस पर कौन ध्यान देगा? इससे प्राथमिकता से निपटना सरकार का कर्तव्य है। तो एक तरह से उन्होंने कहा कि पिछले सात आठ महीनों से सरकार अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रही है। एक और घटना थी, जिस कारण संघ की नाराजगी की अवधारणा को बल मिला। वह घटना यह थी कि भाजपा ने उस कृपाशंकर सिंह को भाजपा में प्रवेश और उत्तर प्रदेश की जौनपुर सीट से लोकसभा का टिकट दे दिया था जिसने मुम्बई में हुए 26/11 के आतंकी हमले को आरएसएस की साजिश बताया था। कांग्रेस के कई नेताओं, वामपंथी बुद्धिजीवियों और मुस्लिम कट्टरपंथियों ने यह नेरेटिव बनाने की कोशिश की थी कि मुम्बई के हमले में पाकिस्तान का हाथ नहीं है। राष्ट्रीय सहारा के उर्दू अखबार रोजनामा राष्ट्रीय सहारा के संपादक अज़ीज़ बर्नी ने इस पर किताब लिख दी थी, जिसका शीर्षक था- आरएसएस की साजिश 26/11। मुम्बई में इस किताब का विमोचन कांग्रेस के महासचिव दिग्विजय सिंह, उस समय मुम्बई कांग्रेस के अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह, महेश भट्ट और जमियत उलेमा ए हिन्द के अध्यक्ष महमूद मदनी ने मिल कर किया था। जनवरी 2011 में अज़ीज़ ने अपनी मनगढ़ंत किताब के लिए आरएसएस से माफी मांग ली थी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 19 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम मुख्यालय में महापौर कक्ष के सामने नगाड़ा बजाकर किया प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर शहर में इस गर्मी में लगातार हो रही पानी की किल्लत को लेकर नगर निगम मुख्यालय में महापौर कक्ष के सामने नगाड़ा बजाकर नगर निगम प्रशासन को जगाने का कार्य किया गया इस दौरान नेता प्रतिपक्ष श्रीमती मीनल चैबे जी, उप नेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा जी, सूर्यकांत राठौड़ जी, मृत्यंजय दुबे जी, प्रमोद साहू जी, सहित समस्त पार्षद दल उपस्तिथ रहा।

एएफएमसी, पुणे की कांफ्रेंस में एम्स की टीम हुई विजयी

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की दो टीम ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कालेज, पुणे में आयोजित दो प्रतियोगिताओं में विजेय प्राप्त की। एक टीम को ओरल पेपर प्रजेटेंशन में प्रथम पुरस्कार और दूसरी टीम को क्विज में चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। एएफएमसी द्वारा जलवायु में परिवर्तन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। इसमें एम्स के कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन के पीएचडी छात्र डॉ. हनी शर्मा और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला को ओरल पेपर प्रजेटेंशन में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। टीम ने रायपुर में सरोना स्थित डंपसाइट का जियोग्राफिक इंफोरमेशन और गूगल अर्थ इंजन की मदद से अध्ययन किया है। इससे वेस्ट मैनेजमेंट में काफी मदद मिल सकेगी। इस अध्ययन की मदद से भविष्य में इस प्रकार की भूमि का विस्तृत अध्ययन कर उससे वातावरण के संरक्षण में मदद ली जा सकेगी। डॉ. शर्मा यह शोधकार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा रुइकर के निर्देशन में कर रहे हैं। दूसरी टीम में स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के डॉ. रविचंद्रा सीवी और डॉ श्रीपाल चौधरी की टीम ने देशभर के 27 चिकित्सा संस्थानों की टीम के साथ क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें उन्हें चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने विजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

माधव राव सप्रे ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक और साहित्यकार पंडित माधवराव सप्रे की 19 जून को जयंती पर उन्हें नमन किया है। सप्रे जी का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सप्रे जी द्वारा रखी गई नींव पर ही आज छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता समृद्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और साहित्यिक चेतना को विकसित करने में भी सप्रे जी का अमूल्य योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी लेखनी ने सैकड़ों सत्याग्रहियों का मार्गदर्शन किया और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा दी। सप्रे जी के रचनात्मक और मूल्यपरक लेखन ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दी है। श्री साय ने कहा कि सप्रे जी जीवन भर देश और साहित्य की सेवा में लगे रहे। उनके कई लेख और कृतियां प्रकाशित हुई। उन्होंने अनेक संस्थाओं को जन्म दिया जिनके माध्यम से लोग देश और जन सेवा के लिए आगे आए। सन् 1900 में जब प्रकाशन के लिए पर्याप्त सुविधाएं और आधुनिक तकनीकी नहीं थी, उन्होंने वामनराव लाखे जी और रामराव चिंचोलकर जी के सहयोग से पेण्ड्रा में मासिक हिन्दी समाचार पत्र 'छत्तीसगढ़ मित्र' का सम्पादन और प्रकाशन शुरू किया। सप्रे जी द्वारा रचित कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' को भारतीय साहित्य में हिन्दी की पहली मौलिक कहानी का गौरव प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सप्रे जी का व्यक्तित्व और कृतित्व साहित्यकारों और पत्रकारों सहित आम जनता के लिए भी प्रेरणादायक है।

सीएम विष्णुदेव साय आज एनसीसी कैडेटों के 'एट होम' कार्यक्रम में शामिल होंग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 19 जून को अपने निवास कार्यालय में प्रातः 10 बजे आयोजित एनसीसी कैडेटों के एट होम कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस परेड नई दिल्ली में शामिल हुए एनसीसी कैडेटों और अधिकारियों को सम्मानित करेंगे।

कुछ लोग छोटा काम करके छप जाते हैं और बड़े-बड़े काम करने वाले छिप जाता है : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी

थूवोनजी कमेटी अशोक नगर समाज पहुंची पथरिया किया चातुर्मास का निवेदन, आचार्य श्री के वचनों को साकार करने के लिए थूवोनजी में चातुर्मास चाहिए- विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। जो अच्छे समय पर साथ रहता है उसका साथ हमेशा देना चाहिए अगर आप विपत्ति के समय दूर हट जाते है तो ऐसे व्यक्ति का संपूर्ण पुण्य क्षय हो जाता है और उसका पुण्य ऐसा क्षय होता है कि जब उस पर संकट आते है तो उसे आंसू पोंछने वाला भी नहीं मिलता, किसी को दया नही आती इसलिए उपकारी का उपकार कभी नहीं भूलना चाहिए कुछ लोग छोटा काम करके भी छप जाते हैं लेकिन कुछ लोग बड़ा काम करके भी छिप जाते है, कारण- हमने कभी किसी की प्रशंसा नहीं की, किसी ने बहुत अच्छे काम किये लेकिन उसके लिए हम दो शब्द नहीं कह पाए बल्कि ईर्ष्या और की अपने से अधिक गुणवान व्यक्ति को देखकर हमेशा प्रमोद भाव आना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने जिज्ञासा समाधान सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए

इसके पहले दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के नेतृत्व में अशोक नगर जैन समाज व थूवोनजी कमेटी के वृहद प्रतिनिधि मंडल ने पथरिया जिला दमोह में विराजमान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज को श्री फल भेंट कर थूवोनजी में चातुर्मास करने का निवेदन करते अध्यक्ष अशोक टिंगू महामंत्री विपिन सिंघई ने कहाकि वर्षो से पूरा अंचल पलक पांवड़े बिछाकर गुरु देव आपके आगमन की प्रतिक्षा कर रहा हम सब आपके आगमन की आश में ही काम कर रहे हैं और उम्मीद लगाए हैं कि आपके चरण थूवोनजी में सीध्र पड़ेंगे।

इस दौरान अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय जैन धुर्रा ने कहा कि हम सब वर्षो से आचार्य श्री के पास जा रहे हैं आचार्य श्री ने वारह वर्ष पूर्व डोंगरगढ़ में कहा था कि एक चातुर्मास मुनि श्री सुधासागरजी का थूवोनजी में हो जाये तो थूवोनजी पचास साल आगे निकल जायेगा आचार्य भगवंत के वचनों को साकार करने के लिए अशोक नगर जैन समाज थूवोनजी कमेटी निर्तर काम कर रही है सर्दी गर्मी धूप-छांव कभी भी पीछे नहीं रही अव हमारी भावना भी है और अधिकतर भी आप आचार्य भगवंत का सपना साकार करेंगे और थूवोनजी पधारेंगे इस दौरान थूवोनजी कमेटी के मंत्री राजेन्द्र हलवाई आडिटर राजीवचन्देरी के संरक्षण शैलेन्द्र दददा मनीष वरखेड़ा विमल जैन मनीष सिघई सुनील घेलू जैन मिलन अध्यक्ष नीलू मामा निर्मल मिर्ची नितिन वज पवन करईया नीरज वेली अविनाश धुर्रा रानू मामा अमित वरोदिया जीवन मामा अवधेश जैन सुधीर जैन अन्य सभी ने भक्तों श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पाप करने के पहले देखले कि कल जब फल मिलेगा तो सहन कर पाओगे : इस दौरान मुनि पुगंव ने कहा कि कर्म बंधते समय जो अनुभाग शक्ति डलती है, वह शक्ति बहुत पावरफुल होती है इसलिए हम कहते हैं कि कोई भी पाप करो, कम से कम ये देख लो- कल के दिन यह कर्म उदय में आएगा तो क्या वह कर्म गन्धोदक से दूर हो पायेगा कर्म करते समय हमें ये भान ही नहीं रहता कि हम कर क्या रहे हैं और इसका फल कितना खतरनाक मिलेगा उन्होंने कहा कि डिप्रेशन एक ऐसी चीज है जो व्यर्थ की बीमारी हैव्यक्ति इतनी महत्वाकांक्षाएं पाल लेता है, जितनी उसकी शक्ति नहीं है। पड़ोसी कितना खा रहा है यह देखना बंद करें और तुम्हें कितना पच रहा है यह देखना चालू करें। सबसे बड़ा सूत्र- संतोष मैं जो हूँ, जहाँ हूँ, जैसा हूँ

खुश हूँ तो डिप्रेशन आ ही नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि पाप का उदय आया है तो पाप करना छोड़ दो क्योंकि अग्नि यदि लगी है तो ईंधन डालना छोड़ दो, अग्नि अपने आप बुझ जाएगी चिंतामणि रत्न, पारस रत्न साहित्य में तो है लेकिन वस्तु तो हम ने देखी नहीं। चिंतामणि का अर्थ ये होता है कि जो मन मे चिंतन किया जाए वह प्राप्त हो जाता है, कल्पवृक्ष का वर्णन जरूर आगम में मिलता है माँ बाप का यदि यह भाव है कि मैं और मेरे बच्चे में से कोई एक धर्म कर पाएगा तो वे यदि बच्चों को करा देते हैं तो वे ज्यादा पुण्यात्मा है। घर में सास-बहू है, कोई एक जा पाएगा तो सासु को चूल्हे पर बैठना चाहिए और बहू को प्रवचन में बैठना चाहिए क्योंकि जिनके बिगड़ने के दिन हैं उनको पहले आगे करो।

संक्लेश से निरन्तर आयु का क्षय होता है : उन्होंने कहा कि संक्लेश करने से आयु कम होती चली जाती है पूज्य अकलंक स्वामी ने राजवर्ती ग्रंथ में संक्लेश से निरन्तर आयु का अपघात कहा। जितनी बार हम संक्लेश करते हैं, क्रोध करते हैं, टेंशन करते हैं इसमें आयु कर्म का घात होता है व्यक्ति को इस वात की चिंता ही नहीं है कि वह क्या कर रहा है विना वजे ही संक्लेश में डूबा रहता है और पल पल अपने जीवन को नष्ट करता रहता है ये मनुष्य पर्याय अनमोल है इसे कांच के कंचों को हीरा समझ कर प्रति क्षण खो रहे हैं समय हाथ से निकल जायेगा और कुछ भी कर लेना लोटकर आने वाला नहीं है इसलिए समय रहते अपना काम वना ले इसी भलाई है। -**विजय धुर्रा**

राजिम हरिद्वार राष्ट्रीय चिंतन शिविर में रखी बात

पर्यावरण बचाना केंद्रीय मुद्दा बने : तेजराम विद्रोही

राजिम (विश्व परिवार)। भारतीय किसान यूनियन द्वारा 16 से 18 जून 2024 को लालकोठी हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय चिंतन शिविर में छत्तीसगढ़ की समस्याओं को राज्य के प्रतिनिधियों द्वारा मजबूती से रखा गया।

भारतीय किसान यूनियन के छत्तीसगढ़ प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही ने कहा कि जितना महत्वपूर्ण किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का है उतना ही ज्यादा महत्वपूर्ण पर्यावरण संरक्षण का है जिसे चिंतन शिविर का प्रमुख हिस्सा बनना चाहिए क्योंकि किसान अपनी खेती के लिए प्रकृति पर निर्भर है। क्योंकि सूखा, अतिवर्षा अथवा बेमौसम बारिश के कारण फसल को पहुंचने वाली नुकसान से किसान मानसिक, आर्थिक और पारिवारिक रूप से टूट जाता जिसे केवल चंद मुआवजा राशि से पूरा नहीं किया जा सकता है। कॉरपोरेट घरानों को मुनाफा पहुंचाने के लिए पूंजीपति- सरकार व माफिया गठबंधन से जल, जंगल और जमीन की भयावह लूट मची हुई है। इस बात को छत्तीसगढ़ में हसदेव जंगल की अंधाधुंध कटाई से समझा जा सकता है जहाँ पर अडानी को कोयला खनन के लिए 1लाख 70 हजार हेक्टेयर में फैले वनों की कटाई तेजी से चल रही है इसे बचाना हम सब का कर्तव्य है। साथ ही तेजराम विद्रोही ने छत्तीसगढ़ राज्य में तथा केंद्रीय स्तर पर धान के समर्थन मूल्य के अंतर भी बात रखी और कहा जो जिस राज्य में भाजपा की सरकार है और जहां भाजपा की सरकार नहीं वहाँ समर्थन मूल्य में अंतर क्यों?

बीजापुर जिला अध्यक्ष साम्बईय्या धन्नूर ने बस्तर संभाग में माओवाद के नाम पर निर्दोष आदिवासियों के ऊपर हो रही सरकारी दमन की बात करते हुए कहा कि हम भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले बस्तर संभाग में काम कर रहे हैं और जब कोई बड़ा कार्यक्रम किसान यूनियन के बैनर तले करते हैं तो पुलिस प्रशासन इसके पीछे माओवादियों का हाथ होना बताते हैं। और तो और छत्तीसगढ़ के बाहर राज्यों में जब छत्तीसगढ़ की बात आती है तो लाल सलाम इलाके से आने वाले लोग बताते हैं जो छत्तीसगढ़ राज्य की भोली भाली आदिवासी जनता का घोर अपमान है और इससे हम आहत होते हैं।

बकरीद के दिन पुणे का मुस्लिम सत्य शोधक समाज बकरे की कुर्बानी नहीं देने की सलाह देता है

पुणे (विश्व परिवार)। हर वर्ष जीव बचाओ आन्दोलन के द्वारा बकरीद के दिन हजारो मूक पशुओ को बचाने मे सक्षम रहे शाकाहार प्रचारक डॉक्टर कल्याण गंगवाल ने बताया कि पुणे का मुस्लिम सत्य शोधक समाज बकरीद पर बकरे की कुर्बानी नहीं देने की सलाह मुस्लिम समाज को देता है कि इस अंध श्रद्धा से बचे। इसके साथ ही इस समूह के साथ मिलकर हमने भी इस मुहीम मे कार्य किया एवम हमने रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जिसमे मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम समाज के लोगो ने100 यूनिट रक्त दान किया और लोगो को बताया की प्राणियों का खून बहाने के बजाय खुद रक्तदान करके जान बचाओ और यह अभियान सफल रहा

डा. गंगवाल ने बताया की सर्वजीव मंगल प्रतिष्ठान ने यह सन्देश दिया था कि यह बकरीद लाल रक्त रंजित न हो परन्तु हरी बने पर्यावरण पूरक बने इस मुहीम को सभी ने सराहा और सहयोग दिया उन्होने बताया की 50 वर्षो से इस मुहीम हेतु कार्य कर रहा हूँ उसका परिणाम यह रहा की पुणे मे अंजुमने इस्लामिक वेजीटेरियन सोसाइटी की स्थापना हुयी है इसमे 6000 लोग से अधिक सदस्य है और अधिकांश मेरे पेशेंट है यह लोग शाकाहारी तो है ही व्यसन मुक्त भी है एवम बकरीद पर बकरी भी नहीं काटते और मिठाई बाटकर इस त्यौहार को मनाते है अल्लाह ने कुरबानी का मतलब अहंकार की कुर्बानी देने को कहा है यह नहीं की प्राणियों की कुर्बानी दे उन्होने कहा की अहिंसा जीव दया शाकाहार का प्रचार बहुत जरुरी है यदि हम करते है तो हमे बड़ी कामयाबी मिल सकती है उन्होने कहा कल हमने खुली जगह पर बकरीद पर कत्ल न हो ऐसा पुलिस की मदद से रोक लगवाई और हमे कामयाबी भी मिली हम यह अहिंसक तरीके से करते है मुस्लिम समाज का प्यार जीतना बहुत जरुरी है वो भी बदल सकते है ऐसा हमने देखा है उन्होने समाज के भाईयो से अपील की कि अजैनो मे जाए और अहिंसा जीवदया शाकाहार का प्रचार करे तो हम बदलाव ला सकते है और यह सबसे बड़ी पूजा होगी बडे बडे विधान तो करते है लेकिन सक्रीय अहिंसा का प्रचार नहीं करते नकारात्मक अहिंसा का प्रचार करते है सकारात्मक अहिंसा का सही अर्थ जीवदया और जीवो को अभयदान देना है।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने की मुलाकात

राज्य में 39 लाख 17 हजार से अधिक घरों को मिला नल कनेक्शन

जल जीवन मिशन का 78.21 प्रतिशत काम पूर्ण, लक्ष्य को हासिल करने तेजी से हो रहा काम

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने श्री चौधरी को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री चौधरी से छत्तीसगढ़ में नल से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जल जीवन

मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में जलजीवन मिशन के तहत 50 लाख 5 हजार 12 घरों में नल कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 39 लाख 17 हजार 491 घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 78.21 प्रतिशत है। राज्य के धमतरी जिले में सर्वाधिक 98 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है। रायपुर जिले में 93.42 प्रतिशत, राजनांदगांव में 88.50 प्रतिशत, मुंगेली जिले में 87.27 प्रतिशत, जांजगीर-चांपा जिले में 87.21 प्रतिशत एवं दुर्ग जिले में 87.16 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा राज्य के 13 जिलों में जल जीवन मिशन का 75 प्रतिशत से अधिक काम हो चुका है। राज्य के 19 हजार 647 गांवों में से 3 हजार 371 गांवों में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 16 हजार 257 गांवों में ग्रामीणों को नल कनेक्शन के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का काम तेजी से पूर्णता की ओर है।

कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु अग्रिम तैयारी के साथ की जाए कार्यवाही : कलेक्टर

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु अग्रिम तैयारी के साथ आपातकालीन परिस्थिति हेतु प्रशासन की तैयारी और नियंत्रण हेतु आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता का जाँच भी जरूरी है। परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए। इसके लिए राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्यों को अंजाम दें, मैदानी स्तर पर अधिकारी सतत संपर्क में रहे। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मैदानी अमलों की जानकारी-सूचना तंत्र सशक्त होना जरूरी है। प्रशासन का मूल काम लॉ एंड ऑर्डर को कायम करना है किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होने देना है। उक्त निर्देश मंगलवार को कलेक्टर श्री विजय जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की बैठक में दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने कहा कि हाल ही बलौदा बाजार जिले में हुए घटना से हमें सीख लेने जरूरत है, इस प्रकार की संभावित घटनाओं के लिए विशेष सतर्कता आवश्यक है। सामाजिक मामलों में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रबंधन जरूरी है एवं इसके अलावा सभी मैदानी अमला सामाजिक, धार्मिक लीडर के सतत संपर्क में रहे।

दोनों अधिकारियों ने लोकसभा निर्वाचन का निर्विघन, सफलतापूर्वक निर्वहन के लिए सभी को बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर अग्रिम तैयारी जरूर रखे, प्रकरण या घटना की गंभीरता को समझना जरूरी है। बस्तर में लॉ एंड ऑर्डर के लिए आवश्यक कार्यवाही लगातार करें। क्षेत्र में निवास करने वाले बैगा, सिरहा, गुनिया, पाईक, पटेल से गाँवों के हित में जरुर चर्चा करें। बैठक में लॉ एंड ऑर्डर विषय पर आने वाले तीन नए कानूनों पर चर्चा कर इनका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, अति.पुलिस अधीक्षक श्री योगेश देवांगन सहित सभी राजस्व अधिकारी और पुलिस विभाग के डीएसपी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

एनआईटी रायपुर में 'फ़ाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस' पर 5 दिवसीय वर्कशॉप का हुआ उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में दिनांक 18 जून को संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने आईएसएचआरएई रायपुर सब चैप्टर & आईजीएस रायपुर चैप्टर के सहयोग से 'फ़ाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस' पर 5 दिवसीय वर्कशॉप का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, आई आई टी रूडकी, डॉ एन के समाधिया रहे। इसके मुख्य संरक्षक संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. वी. रमना राव रहे। अध्यक्षता प्रोफेसर & सिविल इंजीनियरिंग विभाग के हेड डॉ. शिरीष वी. देव, ने की और संयोजक प्रो. (डॉ.) जी. डी. रामटेककर रहे। डॉ अल्फिया बानो और डॉ सुकांता दास ने समन्वयक की भूमिका निभाई। इस दौरान प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, डॉ समीर बाजपाई, फैकल्टी मेम्बेर्स, स्कोलर्स और प्रतिभागी मौजूद रहे।

परिमित तत्व विश्लेषण (फ़ाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस) गणनाओं, मॉडलों और सिमुलेशन का उपयोग करके यह अनुमान लगाने और समझने की प्रक्रिया है कि कोई वस्तु विभिन्न भौतिक स्थितियों में कैसे व्यवहार कर सकती है। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को एफईए के प्रिंसिपल्स और उनके अनुप्रयोगों की बेहतर जानकारी देना और थ्योरी और प्रैक्टिस के बीच की दूरी को कम करना है। इसके साथ ही पायथन प्रोग्रामिंग और अबेकस सॉफ्टवेयर की मदद से एफईए एनालिसिस करने व कॉम्प्लेक्स इंजीनियरिंग प्रॉब्लम्स को हल करने योग्य बनाना है। इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजिक्स इनफॉर्मेड न्यूरल नेटवर्क्स

(पीआईएनएन) के ज़रिए एआई/एमएल इंटीग्रेशन करना और प्रतिभागियों को एफईए टेक्नोलॉजी में फ्यूचर डेवलपमेंट के लिए तैयार करना है। इस वर्कशॉप के थीम में सिविल × मैकेनिकल इंजीनियरिंग एक्सपर्ट्स से जियोटेक्नीकल एप्लीकेशंस, वाइब्रेशन इश्यूज और कंपोजिट मैटेरियल्स पर जानकारी प्रदान की जाएगी। इन 5 दिनों में वक्ताओं के रूप में विभिन्न एनआईटी और आईआईटी के सिविल एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग के फैकल्टी मौजूद रहेंगे।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई। इसके बाद संस्थान के निदेशक ने फ़ाइनाइट्? एलिमेंट एनालिसिस पर चर्चा करते हुए उसके फायदों और नुकसान पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे एफईए इंजीनियरिंग समाधानों को बेहतर बना सकता है, साथ ही गलत तरीके से लागू होने पर इसके नुकसान भी उठाने पड़ सकते है। डॉ समाधिया ने अपने जीईसी-एनआईटी रायपुर के ग्रेजुएशन के दिनों को याद करते हुए एफईए का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ रामटेककर ने आने वाले 5 दिनों में वर्कशॉप में होने वाली गतिविधियों के बारे में बात करते हुए फ़ाइनाइट्? एलिमेंट एनालिसिस के एप्लीकेशंस पर चर्चा की और डेली लाइफ में इसके अनुप्रयोगों को बताया। उन्होंने फ़ाइनाइट्? एलिमेंट एनालिसिस के अच्छे प्रयोग से अच्छे इंजीनियरों के बनने की बात कही। उद्घाटन समारोह डॉ अल्फिया बानो के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

इसके साथ ही एसोसिएट साइंटिफिक एडिटर, एल्सवियर इंडिया की डॉ संध्या बिरला द्वारा शोध लेखन पर एक सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने प्रभावी शोध लेखन, सही जर्नल चुनने हेतु सुझाव इत्यादि विषयों पर प्रतिभागियों से चर्चा की।आने वाले 5 दिन प्रतिभागियों के ज्ञानार्जन के लिए महत्त्वपूर्ण साबित होंगे जिसमें प्रतिभागियों को 'फ़ाइनाइट्? एलिमेंट एनालिसिस' पर जानकारी प्राप्त होगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 19 जून 2024

श्रमिकों को समयमान वेतनमान का भुगतान व विभिन्न पदों पर पदोन्नति पर रखेगें मांग

लोक निर्माण विभाग व राष्ट्रीय राजमार्ग के गैंग श्रमिकों की समस्याओं पर हुई चर्चा

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला कोंडागांव के द्वारा कर्मचारी समस्याओं के निराकरण के संबंध में कोडागांव पुराने रेस्ट हाउस में आवश्यक बैठक आयोजित किया गया था। इस बैठक में लोक निर्माण विभाग व राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यभारित गैंग श्रमिकों के विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए विस्तार पूर्वक विचार विमर्श किया गया, जिसमें निम्नांकित बिंदुओं पर लोक निर्माण विभाग के मंत्री छत्तीसगढ़ शासन व विभागीय उच्चाधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए पत्र प्रेषित किया जाएगा। मांगो में प्रमुख रूप से लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के गैंग श्रमिकों को यदि निमितीकरण नहीं किया जा रहा है तो सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष को बढ़ाकर 65 वर्ष तक किया जाने और कार्यभारित कर्मचारियों को जोगी शासनकाल में अवकाश नगदी कारण का भुगतान बंद कर दिया गया है उसे पुनः चालू कराने, गैंग श्रमिकों को जो अनुसूचित क्षेत्रों में कार्य करते हैं उन्हें भी नियमित कर्मचारियों की भांति 10 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान करने, नियमित कर्मचारियों की भांति कार्यभारित महिला कर्मचारियों को भी तीन माह का प्रसूति अवकाश करने, गैंग श्रमिकों को नियमित कर्मचारियों की तरह चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान एवं मेडिकल अवकाश का लाभ दिलाने, शासकीय वर्दी सिलाई हेतु लंबे समय से शासन द्वारा मात्र 770 रुपए का भुगतान करने जो की बहुत ही कम है वर्तमान प्रचलित दर के अनुसार रुपए का भुगतान करने, पीडब्ल्यूडी के गैंग श्रमिकों को योग्यता अनुसार अकुशल श्रेणी से कुशल श्रेणी जैसे स्थल सहायक, बढ़ाई, राजमिस्त्री, ऑपरेटर, माली, ड्राइवर, चौकीदार इत्यादि पदों पर पदोन्नति दिलाने की मांग की है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के श्रमिकों को समयमान वेतनमान का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिसे लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता छत्तीसगढ़ रायपुर के आदेश क्रमांक 4025 16 सितंबर 2023 के अनुसार श्रमिकों के अनुसार समय मान वेतनमान का भुगतान शीघ्र करने, पीडब्ल्यूडी के कुछ कर्मचारियों को समय मान वेतनमान नहीं मिल पाया है उन छूटे हुए गैंग श्रमिकों को समय मान वेतनमान का भुगतान करने की मांग रखी है। कोडागांव जिला के अंतर्गत ठेकेदार के द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों में शासकीय गैंग श्रमिकों को भेज कर कार्य लिया जाता हैं इसे तत्काल बंद करने, विभाग के अधिकारियों के द्वारा स्थानीय दैनिक वेतन कर्मचारियों को निकाल कर अन्य जिले के व्यक्ति को लाकर दैनिक वेतन पर रखा गया हैं निकाले गए समस्त दैनिक वेतन कर्मचारियों को तत्काल वापस रखने और बाहर से नियुक्त किए गए सभी कर्मचारियों को कार्य से पृथक किये जाने की मांग रखी गई हैं। इस बैठक में प्रांतीय महामंत्री गिरजाशंकर साहू, जिला अध्यक्ष और प्रांतीय सचिव चमन लाल वर्मा जिला कोषाध्यक्ष जयसिंह मरावी सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं लोक निर्माण विभाग के गैंग श्रमिक उपस्थिति रहें।

एनएमडीसी स्थानीय प्रबंधन व झाड़ेश्वर परिवहन समीति का झगड़ा पहुंचा मुख्यमंत्री के पास

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय के जगदलपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के नगरनार में केंद्र सरकार की उपक्रम एनएमडीसी द्वारा स्टील प्लांट का निर्माण किया है और वहां उत्पादन शुरू हो गया है। नगरनार स्टील प्लांट प्रभावित लोगों के साथ नगरनार क्षेत्र के लोगों ने झाड़ेश्वर परिवहन सहकारी समिति बनाया है और कथित तौर पर उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। विगत दिनों एनएमडीसी व जिला प्रशासन के बीच कुछ बातों को लेकर सहमति जताई गई किंतु दूसरे दिन कथित तौर पर स्थानीय एनएमडीसी प्रबंधन अपने वादों से मुकर गए। झाड़ेश्वर परिवहन सहकारी समिति नगरनार स्टील प्लांट में निकलने वाले माल के परिवहन पर एकाधिकार चाहते हैं लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि माल तो कई बड़े औद्योगिक घरानों ने खरीदें हैं जोकि अपने पसंद के व्यक्ति से ही परिवहन करवाना चाहते हैं। इस पर एनएमडीसी ने हस्तक्षेप से इंकार कर दिया है। भू -प्रभावितों के साथ भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोगों की दखल होने से यह मामला और बिगड़ गया है। इस मामले पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ही कुछ फैसला ले सकते हैं जिसको देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष व जगदलपुर विधायक किरण देव तथा मंत्री केदार कश्यप के साथ नगरनार मंडल अध्यक्ष सुब्रतो विश्वास ने एक पत्र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को दिया जिस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जायज मांगों को पूरा किया जाएगा। इस दौरान भू प्रभावित कस्तूरी के बनमाली नाग, गीता मिश्रा के अलावा नगरनार मंडल के रघुराम सेठिया, राधेश्याम पंद्रे, लखीधर बघेल, हरि साहू व अन्य मौजूद थे। विडंबना देखिए विगत दिनों धरनें में बैठे कांग्रेसी नेता लैखन बघेल,जलंधर बघेल, घनश्याम महापात्र, गुड्डु बिसाई, विजय बिसाई जैसे नेता गणों को यह लोग ले भी नहीं गए।

अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के डीए में सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 4 प्रतिशत की वृद्धि

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन कोण्डागांव के जिलाध्यक्ष ऋषिदेव सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राज्य में अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के डीए में सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 10 जून को 4 प्रतिशत की वृद्धि कर 46 से 50 प्रतिशत किया गया है व यह महंगाई भत्ता जनवरी 2024 से देय है तथा एरियर्स भुगतान का भी प्रावधान है। वहीं केंद्र द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में जनवरी 2024 से देय 4त्न वृद्धि कर डीए 46 से 50 प्रतिशत दिया जा रहा है। परंतु राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के डीए में विधानसभा चुनाव आचार संहिता के पूर्व लंबित 8% डीए के स्थान पर जूलाई 2023 से केंद्र सरकार द्वारा देय महंगाई भत्ते में मात्र 4% वृद्धि की गई डीए को राज्य में आचार संहिता के पूर्व मार्च 2024 से जारी किया गया। जिससे राज्य कर्मचारियों को 9 माह का 4 प्रतिशत डीए में नुकसान हुआ और भत्ता 50त्न के बजाय 46त्न डीए भुगतान किया गया। केंद्र के समान जुलाई 2023 देय तिथि से महंगाई भत्ते के भुगतान नही होने से व एरियर्स प्रावधान नहीं किए जाने से कर्मचारियों को लाखों रूपये का अब तक नुकसान हो चुका है। देय तिथि से भुगतान नही करने व एरियर्स प्ररावधान नहीं करने का यह सिलसिला 2019 से लगातार चल रहा है। जिससे राज्य कर्मचारियों को बहुत आर्थिक नुकसान हुआ है, जिससे कर्मचारियों में बहुत नाराजगी है । वही अब केंद्र द्वारा जनवरी 2024 से देय 4% की भत्ते में वृद्धि से केंद्रीय कर्मचारियों का कुल मँहगाई भत्ता 46 से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। जबकि छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को वर्तमान में केवल 46 प्रतिशत मँहगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है। राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों एवं बिजली विभाग के कर्मचारियों को 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते मिल रहा है। ऐसे में राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी अतिशीघ्र वृद्धि के इंतजार में सभी कर्मचारी हैं। टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से राज्य के कर्मचारियों के मँहगाई भत्ता में अविलंब 4 प्रतिशत वृद्धि कर केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि से एरियर्स सहित 50 प्रतिशत भत्ते प्रदान करने की मांग किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी 2023 के नाम से जारी घोषणा पत्र में प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले डीए के समान देय तिथि से डीए देने व एरियर्स राशि को जीपीएफ में समायोजन का वादा किया है। अतः प्रदेश सरकार राज्य के कर्मचारियों के मँहगाई भत्ते में केंद्र के समान देय तिथि से 4 प्रतिशत की वृद्धि कर अपना वादा निभाए व पूर्व के सभी डीए का देय तिथि से एरियर्स गणना कर भुगतान की जाए। टीचर्स एसोसिएशन कोण्डागांव के सभी पदाधिकारी, महिला मोर्चा, आई टी सेल प्रभारी व ब्लॉक अध्यक्षों ने शीघ्र लंबित डीए जारी करने की मांग की है।

महारानी अस्पताल में सफाई कर्मचारियों का टोटा, शौचालयों में नहीं हो रही सफाई

जगदलपुर। किसी को भी स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना जरूरी है और उसके लिए बड़े दावे किए जाते हैं किंतु महारानी अस्पताल में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। यह हम नहीं कह रहे अस्पताल के शौचालयों को देख कर कोई भी की साफ-सफाई पर प्रश्न चिन्ह लगा सकता है।

अंदर-बाहर के शौचालयों की नियमित सफाई नहीं होने से अस्पताल की जमकर किरकिरी हो रही। अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर कोई समाचार प्रकाशित नहीं करें उसके लिए प्रदेश सरकार के एक सचिव ने पत्र जारी किया है जबकि समाचारपत्र को सिस्टम का आईना भी कहा जा सकता है। *बस्तर संभाग मुख्यालय का सबसे बड़ा अस्पताल महारानी अस्पताल तो कई अव्यवस्थाओं के लिए जाना जाता है लेकिन अस्वच्छता के लिए अब यह मशहूर हो गया है। यह अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। महारानी अस्पताल के जनरल वार्डो के साथ

-साथ आईसीयू के शौचालयों में नियमित सफाई नहीं होती है। महारानी अस्पताल में सिर्फ बाहरी स्तर पर सफाई व्यवस्था को दिखाने जूते- चप्पलों को उतार कर स्वच्छ रखने का ढ़ोग किया जा रहा है किंतु यह सिर्फ बाहरी आवरण है। छत्तीसगढ़ सरकार की महारानी अस्पताल ?? सीटर अस्पताल है और सभी जगह अव्यवस्था भरी हुई है।

महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डां. संजय प्रसाद स्वच्छता के लिए जाने जाते हैं ,वह केंद्रीय जेल जैसे संस्थान को सजायाफ्ताओं से काम लेकर चमकदार बना दिए थे किंतु उसके विपरीत मोटा तनखवाह पाने वाले सफाई कर्मचारियों से सफाई व्यवस्था का काम नहीं ले पा रहे या सिविल सर्जन के अधिनस्थ अधिकारी कर्मचारियों द्वारा उन्हें गुमराह करने से भी बाज नहीं आ रहें हैं। प्रतिदिन महारानी अस्पताल में हजारों मरीज व परिजन पहुंचते हैं लेकिन उनको शौचालयों का लाभ नहीं मिल रहा है जबकि लाखों रुपए खर्च कर शौचालय बनाया गया है क्योंकि वह जीर्ण-शीर्ण हो गया है तो अन्य वार्डों के शौचालयों में भी नियमित सफाई व्यवस्था नहीं होने से यह अनुपयोगी हो गया है जिसके कारण भर्तीरत मरीजों व उनके अटेंडरों को भटकना पड़ता है।

हेड नर्स के निर्देश पर आईसीयु शौचालय पर कब्जा

आईसीयु के पास दो शौचालय हैं और हेड नर्स के निर्देश पर एक शौचालय में कब्जा कर लिया गया है जिसका उपयोग सिर्फ महिला स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा ही किया जा रहा है। भर्तीरत मरीजों और अटेंडरों को क्यू में लगना पड़ता है जिसके कारण मरीजों व परिजनों में नाराजगी देखी जा रही है। हेड नर्स की तानाशाही के कारण छोटे -छोटे कर्मचारियों को मरीजों का कोपभाजन बनना पड़ रहा है।

कलेक्टर निवास में बीजादूतीर स्वयंसेवकों के साथ कॉफी विद कलेक्टर कार्यक्रम का आयोजन

बीजापुर। बीजादूतीर स्वयंसेवकों को कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने 'कॉफी विद कलेक्टर' कार्यक्रम के लिए अपने निवास पर आमंत्रित किया। इस विशेष अवसर पर स्वयंसेवकों ने अपने कार्य क्षेत्र का अनुभव साझा किया और कलेक्टर निवास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर बीजादूतीर स्वयं सेवक उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने स्वयंसेवकों की सराहना की और जिले में किए जा रहे विकास कार्यों में उनके योगदान को सम्मानित किया।सभी ब्लाकों से आए बीजादूतीर स्वयंसेवकों ने अपने कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा किया और शासन के लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी भूमिका को विस्तार से अवगत कराया। साथ ही फादर्स डे के अवसर पर बीजादूतीर परिवार की ओर से कलेक्टर अनुराग पाण्डेय को डायरी और पेन भेंट किया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने स्वयंसेवकों को एक्सप्लोजर विजिट के लिए आश्वासन भी दिया जिससे उनके अनुभव और ज्ञान में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त कलेक्टर कैलाश वर्मा, एसडीएम बीजापुर श्री जागेश्वर कौशल, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद और अन्य विभागीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

प्रशासनिक आदेश को स्वास्थ्यकर्मियों ने दिखाया ठेंगा, ड्यूटी से नदारद

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय के सबसे बड़े नगरीय निकाय क्षेत्र जगदलपुर में जनता को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 48 वार्डों में तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया है और स्वास्थ्य विभाग के नर्सों की नामजद ड्यूटी लगाई गई है किंतु घंटों तक इंदिरा वार्ड के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल में यह नहीं पहुंचे जबकि हितग्राही उनका इंतजार करते रहे। जगदलपुर शहरी क्षेत्रांतर्गत छुटे हुए हितग्राहियो का आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु महाअभियान का आयोजन दिनांक 15,16 एवं 17 जुन 2024 को समय प्रातः 10.00 से सायं 5.3 किया जाना है। अधिकारी / कर्मचारियों की ड्यूटी आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु लगाई गई है जिसमें नगरीय निकाय के सुशील पांडेय के साथ लोहंडीगुड़ा के स्वास्थ्य कर्मियों कंसन कश्यप, मीना के.जी व संध्या टोप्पो को जिम्मेदारी दी गई है किंतु रविवार 16 जून 2024 को घंटों इन स्वास्थ्य कर्मियों का इंतजार करना पड़ा।सर्वाधिक दिलचस्प बात यह है कि नगर के सबसे बड़े बाजार संजय बाजार जोकि व्यवस्तम इलाका में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मैदानी कर्मचारी तो तैनात कर दिया गया है किंतु उनकी मानिटरिंग नहीं किया जा रहा है जिससे यह अभियान पर ग्रहण लग सकता है।

नारायणपुर में नेशनल लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया गया

नारायणपुर। उत्तरा कुमार कश्यप जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के मर्गदर्शन में एवं गायत्री साय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव हरेंद्र सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति नारायणपुर के आदेश अदेशानुसार एवं चंद्र प्रकाश कश्यप रिटेनर अधिवक्ता नारायणपुर प्रबंधन कार्यालय के नेतृत्व मे संदीप भगत, घासीराम नेताम, प्रतिमा दोदी, फुलेश्वरी सलाम पीएलवी के द्वारा 13 जुलाई को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के संबंध में नारायणपुर शहर एवं नारायणपुर सासाहिक बाजार में अलग-अलग गांव से आए हुए ग्रामीण वासियों को जानकारी दी गई। तथा नेशनल लोक अदालत के संबंध में प्रचार प्रसार किया गया और नगर के विभिन्न वार्ड में प्रचार-प्रसार मुनियादी एवं पाम्पलेट वितरण कर लोगो को बताया गया कि न्यायालय में लंबित राजिनामा योग्य प्रकरणों को आपसी राजिनामा के माध्यम से निराकरण किया जाता है। साथ ही सिविल, दाण्डिक, चेक, बाउंस पारिवारिक विवाद, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरणों, बैंक के प्री-लीटिगेशन प्रकरण, बीमा, विधुत, दूरभाष, डाकघर एवं नगर पालिका का भी निराकरण किया जाता है। नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों के पारित अवार्ड/आदेश की प्रतिलिपि पक्षकारों को निःशुल्क प्रदाय किया जाता है।

मनचाहे कटौती व बिजली गुल की लचर व्यवस्था से लगातार परेशान हो रहे शहरवासी : सुशील मौर्य

जगदलपुर। विगत महीनों से बिजली विभाग द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर मनचाहे कटौती व बिजली गुल की लचर व्यवस्था से शहरवासीयों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,बिजली की व्यवस्था में व्यापक रूप से निराकरण करना छोड़ बिजली विभाग जनता को डिजिटल स्मार्ट मीटर लगाने का सपना दिखाकर अपने मुख्य कार्य से भाग रहा है उक्त बातें शहर कॉंग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कही है। शहर कॉंग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया जब से बीजेपी की सरकार बनी है तभी से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की लचर व्यवस्था बनी हुई है आए दिन बिजली गुल की समस्या मनचाहे कटौती से शहर की जनता परेशान हैं, बावजूद बिजली विभाग आए दिन मेंटेनेंस के नाम पर 4 से 6 घँटे की बिजली कटौती करता है, फिर भी जनता को इसका लाभ देने व व्यापक सुधार में विभाग अबतक असफल रहा है और न ही सरकार की तरफ से अभी तक कोई भी उचित व ठोस कदम नही उठाया गया है। सुशील मौर्य ने कहा छत्तीसगढ़ की जनता मंहगाई की मार अलग झेल रही है वही प्रदेश में बैठी बीजेपी की सरकार ने बिजली पर 20त्नदर बढ़ाकर जनता के ऊपर बहुत ही बड़ा पीड़ादायक बोझ डाल दी है वही पूर्व की सरकार द्वारा प्रदेश की 44 लाख उपभोक्ताओं को हॉफ बिजली बिल योजना का लाभ मिल रहा था परंतु सरकार बदलते ही बीजेपी ने जनता के ऊपर मंहगाई का चाबुक चलाया है.

प्रशिक्षणार्थियों और पूर्व सैनिकों ने स्वच्छता अभियान चलाया गया

कोण्डागांव। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागाँव के तत्वाधान में संचालित निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण फरसगांव ब्लॉक और बड़ेराजपुर ब्लॉक में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों और पूर्व सैनिकों के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के तत्वाधान में फरसगाँव ब्लॉक और बड़ेराजपुर ब्लॉक में निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण के साथ साथ प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। इसी कडी में फरसगाँव ब्लॉक के नगर पंचायत के क्रिकेट मैदान में और बड़ेराजपुर ब्लॉक के मिनी स्टेडियम विश्रामपूरी में पूर्व सैनिकों और प्रशिक्षणार्थियों ने मिलकर साफ-सफाई किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद फरसगाँव ब्लॉक के सचिव रिकेश कुँवर, सेवारत सैनिक रूपेश कुमार, बड़ेराजपुर ब्लॉक के उपाध्यक्ष रुपउ राम मरकाम, सचिव संतोष कुमार मरकाम, सदस्य राम कुमार मरकाम, बी. एस. एफ. के सेवारत सैनिक राजेंद्र नेताम, स्वच्छ भारत मिशन के सदस्य किशन राम पांडे, अर्जुन मरकाम और निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण ले रहे 250 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

जिले के 3 असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन

सुकमा। जिले के अंतर्गत अवस्थित 3 मसाहती-असर्वेक्षित ग्रामों में राजस्व सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है। जिसके अंतर्गत सुकमा तहसील के पटवारी हल्का नंबर 10 मरईगुड़ा के ग्राम लिंगनपल्ली, ग्राम कोत्तूर और ग्राम पुसगुफा सम्मिलित हैं। आईआईटी रूढ़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु ग्राम लिगनपल्ली ग्राम लिंगनपल्ली, ग्राम कोत्तूर और ग्राम पुसगुफा के कुल 03-03 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। उक्त नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराया जाकर छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 107, 114 के नियम के अधीन ग्राम लिंगनपल्ली, ग्राम कोत्तूर और ग्राम पुसगुफा, पटवारी हल्का नंबर 10/मरईगुड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल मरईगुडा तहसील कोण्टा, जिला सुकमा के कृषकों के कब्जानुसार प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण कर अद्यतन नक्शा, खसरा अधिकार अभिलेख निस्तार पत्रक एवं अन्य सुसंगत अभिलेख तैयार कराया गया। कलेक्टर हरिस. एस द्वारा जारी उद्घोषणा के अनुसार उक्त संबंध में हल्का पटवारियों द्वारा तैयार किये गये नक्शा-शीटों एवं खसरों पर जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था अथवा विभाग को आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर लिखित आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रथम प्रकाशन हेतु नियत संबंधित ग्राम पंचायत भवन में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 19 जून 2024

संक्षिप्त समाचार

एशियाई टीम स्क्वैश में भारतीय महिला टीम पांचवें और पुरुष टीम छठे स्थान पर रही

डालियन, एजेंसी। भारतीय महिला टीम रविवार को समाप्त हुई एशियाई टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम को छठा स्थान मिला। महिला टीम ने पांचवें और छठे स्थान के लिए स्थान निर्धारण मैच में ईरान को 2-0 से हराया। रथिका सुथनथिरा सीलन और पूजा आरती रघु ने आसान जीत हासिल की। हालाँकि, पुरुष टीम दक्षिण कोरिया से 1-2 से हार गई, जिसमें वेलावन सेंथिलकुमार ने जीत दर्ज की, जबकि सूरज कुमार चंद और ओम सेमवाल मामूली अंतर से हार गए।

भारतीय परिणाम

पुरुषः भारत दक्षिण कोरिया से 1-2 से हार गया (वेलावन सेंथिलकुमार ने जियोंगमिन रियू को 11-5, 11-1, 11-4 से हराया; सूरज कुमार चंद मिनवू ली से 11-7, 11-13, 9-11, 8-11 से) और ओम सेमवाल जूयॉन्ग ना से 9-11, 6-11, 9-11) से हार गए।

महिलाएंः भारत ने ईरान को 2-0 से हराया (रथिका सुथनथिरा सीलन ने फेरेश्तेह एघटेदारी को 11-5, 11-9, 11-7 से और पूजा आरती रघु ने परमिन नेकोपयंतक को 11-5, 11-7, 12-10 से हराया)।

स्मृति मंधाना 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की ओपनर स्मृति मंधाना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को पहले वनडे के दौरान 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गयी हैं। मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज के बाद यह उपलब्धि हासिल की है। मिताली ने अपने शानदार करियर में सभी फॉर्मेट में 10,868 रन बनाये थे।

मंधाना के बाद सबसे करीबी मौजूदा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं जिन्होंने अब तक 6,870 रन जुटा लिए हैं। भारतीय ओपनर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 127 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 117 रन बनाये जो घरेलू जमीन पर उनका पहला और कुल छठा शतक है। इस बीच दीप्ति शर्मा ने अपनी 37 रन की पारी के दौरान 200 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2000 वनडे रन पूरे कर लिए हैं।

टी20 विश्व कप

सुपर 8 में पहुंचकर बोले बांग्लादेश के कप्तान शांतो, इस विभाग में सुधार की जरूरत

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट), एजेंसी। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 चरण में पहुंचाने के बाद अपनी खुशी जाहिर की। अपनी प्रगति के बावजूद शांतो ने बल्ले से टीम के संघर्ष को स्वीकार किया, खासकर अर्नोस वेल ग्राउंड पर नेपाल पर 21 रन की मामूली जीत में। सोमवार को बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर (106 रन) का बचाव करते हुए नेपाल को 19.2 ओवर में 85 रन पर आउट कर दिया। इस उल्लेखनीय रक्षात्मक प्रयास ने टीम की गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया, लेकिन साथ ही उनकी बल्लेबाजी की कमजोरियों को भी रेखांकित किया क्योंकि शांतो, लिटन दास और तंजीद हसन तमीम शीर्ष क्रम में संघर्ष करते रहे।

शांतो ने मैच के बाद कहा, हमने इस दौर में जिस तरह से खेला उससे मैं बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी बल्लेबाजी नहीं, बल्कि गेंदबाजी का प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। उम्मीद है कि अगले दौर में हमारी बल्लेबाजी का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। हम ज्यादा रन नहीं बना पा रहे हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अगर हम शुरुआती विकेट ले सकें तो हम कुल स्कोर का बचाव कर सकते हैं। यही हमने गेंदबाजों से कहा है, और वे फील्डिंग में भी बहुत अच्छे हैं। तंजीम ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया उन्होंने 4-0-7-4 का असाधारण स्पेल दिया, जिसमें 21 डॉट बॉल शामिल हैं। मुस्तफिजुर रहमान ने भी अहम भूमिका निभाई, उन्होंने नेपाल के रन-चेज को पटरी से उतारने के लिए अंतिम ओवर में एक विकेट-मेडन दिया। शांतो ने कहा, हमारे पास सब कुछ है। पिछले दो या तीन सालों में सभी तेज गेंदबाजों ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है। इस प्रारूप में गेंदबाजी इकाई बहुत महत्वपूर्ण है और मुझे उम्मीद है कि वे अपना फॉर्म जारी रखेंगे। टी20आई में गति हमेशा महत्वपूर्ण होती है। हमें अगले दौर के लिए योजना बनानी होगी और अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना होगा। नीदरलैंड और नेपाल के खिलाफ लगातार जीत के बाद बांग्लादेश ने अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए ग्रुप चरण का समापन किया।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

बर्लिन, एजेंसी। चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और रविवार को यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2-1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना उतरी पोलैंड की टीम

चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी।

नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो सोमवार को आस्ट्रिया से भिड़ेगी।

डेनमार्क और स्लोवेनिया ने 1-1 से ड्रॉ खेला- डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ आज के दूसरे मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप-सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया।

- **गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2-1 से पराजित किया**- गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2-1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।
- **बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल**- फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी। 11वें मिनट में निकोलो बारेला ने बराबरी का गोल भेदा।

ठेले से दुकान तकः अविरल फाइनेंस के साथ रायपुर की महिला उद्यमियों को मिल रही नई ताकत

रायपुर। अविरल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड वंचित महिला उद्यमियों को उनके सपने साकार करने में मदद कर रहा है। एक प्रेरक कहानी ×स39;मंदिरों का शहर×स39; कहे जाने वाले रायपुर जिले के आरंग गांव की श्रीमती बिसमती ध्रुव की है। बिसमती ध्रुव अपने छोटे से व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहती थी, लेकिन उनकी आदिवासी पृष्ठभूमि के कारण उनके लिए यह मुश्किल था। इन चुनौतियों के बावजूद, वह दृढ़ रहीं। अविरल फाइनेंस की मदद से उन्हें कई चरणों में फंडिंग मिली, जिसने उनके छोटे से ठेले के कारोबार को एक सफल किराना स्टोर में बदल दिया। इस सफलता ने उन्हें उनके समाज में सम्मान दिलाया। अविरल फाइनेंस की मदद ने न सिर्फबिसमती को सहारा दिया बल्कि क्षेत्र के कई अन्य महत्वाकांक्षी उद्यमियों को भी प्रेरित किया। इसने उन्हें अपने व्यवसायों को बढ़ाने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए जरुरी संसाधन प्रदान किए। अविरल फाइनेंस ने केवल वित्तीय सहायता ही प्रदान नहीं की; उन्होंने सपने साकार करने में मदद की, बड़े सपने देखने वालों के लिए नए अवसर और आशा पैदा की। बिसमती अविरल फाइनेंस के समर्थन के लिए आभारी हैं। उनका मानना है कि उनकी मदद उनके व्यापार और व्यक्तिगत जीवन दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । उनकी किराना स्टोर की सफलता ने उनके परिवार को उभारा है और उनके समाज की अन्य महिलाओं को उनके उद्यमशील सपनों को पाने के लिए प्रेरित किया है। अविरल फाइनेंस बिसमती ध्रुव जैसी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इन्क्ल्युसिव ग्रोथ और सस्टेनेबिलिटी के लिए उनके समर्पण को दर्शाता है। उनकी कहानी इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे वित्तीय सहायता स्थानीय समुदायों के लिए एक उज्जवल और अधिक समृद्ध भविष्य बना सकती है।

कामधेनु लिमिटेड छत्तीसगढ़ में अपनी स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करेगा

रायपुर (समय दर्शन)। भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता, कामधेनु लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ में स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी को और मज़बूत करने के लिए अपनी व्यापार रणनीति की घोषणा की। इस रणनीति के अनुसार, कंपनी अगले एक वर्ष में राज्य में अपने स्ट्रक्चरल स्टील की उत्पादन क्षमता को 2,75,000 मीट्रिक टन से बढाकर, 3,96,000 मीट्रिक टन करने की योजना बना रही है। कामधेनु ने गुणवत्ता वाले निर्माण सामग्री के निर्माता और आपूर्तिकर्ता के रूप में खुद को प्रमुख बना लिया है जो उपभोक्ताओं के लिए किफायती मूल्य स्तर पर है। इसके अलावा, कंपनी राज्य में अपने डीलर और वितरक नेटवर्क को भी मजबूत करने की योजना बना रही है और अगले एक वर्ष में 270 और डीलर और वितरक जोड़ने की योजना है। वर्तमान में, कंपनी के पास राज्य में संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट के लिए लगभग 550 डीलर और वितरकों का नेटवर्क है। कामधेनु लिमिटेड के निदेशक, श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ कामधेनु लिमिटेड के विकास के लिए महत्वपूर्ण बाजार है जहां इंफ्रास्ट्रक्टर और निर्माण उद्योग के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं। कामधेनु संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट में पहले से ही देश में मजबूत मौजूदगी रखता है और इस विस्तार रणनीति के साथ, हम राज्य में एक ठोस बाजार हिस्सेदारी को पकड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। यह हमारी संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने की हमारी संपूर्ण रणनीति के साथ मेल खाता है।

हायर इंडिया ने फ़ीनिक्स के साथ अपनी डायरेक्ट कूल रेंज का किया विस्तार, रेफ्रीजरेटर की आधुनिक डिज़ाइन से युक्त प्रीमियम ग्लास डोर सीरीज़

रायपुर। लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज़ ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज़ फ़ीनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्यापक रेंज लाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज़ स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर 185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं और सभी रीटेल चैनलों पर उपलब्ध होंगे। नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर स्टाइल और फंक्शनेलिटी का बेहतरीन संयोजन हैं, जो आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों पर खरे उतरेंगे। फ़ीनिक्स रेफ्रीजरेटर आसान स्टोरेज के लिए बेस ड्रॉअर, प्रभावी कूलिंग के लिए डायमण्ड ऐज फ्रीजिंग टेक्नोलॉजी (डीईएफटी) के साथ आते हैं। साथ ही अपने स्टेबिलाइज़र-फ्री संचालन के साथ, यहां तक कि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव होने पर भी, बिना रूकावट के बेहतरीन परफॉर्मेन्स देते हैं। इस लॉन्च पर बात करते हुए श्री एनएस सतीश, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया ने कहा, ''पिछले सालों के दौरान हमने खासतौर पर अपनी डायरेक्ट कूल सिंगल डोर पेशकश में रेफ्रीजरेटर्स की व्यापक रेंज लेकर आए हैं, इनके माध्यम से हम उन उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं जो अपने घर के लिए प्रीमियम, वाइब्रेन्ट और आकर्षक डिज़ाइन वाले अप्लायन्सेज़ की उम्मीद रखते हैं। हायर इंडिया में हम उपभोक्ता उन्मुख इनोवेशन्स तथा 'मोर क्रिएशन, मोर पॉसिबिलिटीज़' के दृष्टिकोण के साथ ऐसे प्रोडक्ट्स लेकर आते हैं जो उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरें।

महिंद्रा ने मध्यप्रदेश में लॉन्च किया अपना क्रांतिकारी 6आरओ पैडी वॉकर ट्रांसप्लांटर

मुंबई - महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफ्ईएस), जो महिंद्रा समूह की इकाई है, और दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी है, ने मध्यप्रदेश में महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर नामक एक नया 6 रो धान ट्रांसप्लांटर लॉन्च किया है। मध्यप्रदेश में 4आरओ वॉक बिहाइंड ट्रांसप्लांटर (एमपी461) और 4आरओ राइड-ऑन (प्लांटिंग मास्टर पैडी 4आरओ) की सफल शुरुआत के बाद, नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर चावल की रोपाई तकनीक के क्षेत्र में महिंद्रा की मौजूदगी को और बढ़ाएगा, जहाँ कंपनी पहले से ही बाजार में अग्रणी है। धान एक प्रमुख फसल है और मध्यप्रदेश अपने विश्व स्तरीय चावल के लिए प्रसिद्ध हैं। यह प्रदेश चावल मशीनीकरण तकनीकों को अपनाने वाला पहला राज्य है, जहाँ राज्य के कई हिस्सों में उच्च गुणवत्ता वाला चावल उगाया जाता है। नया समाधान जल संरक्षण को संभव बनाता है। साथ ही पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और इसके इस्तेमाल से अन्य श्रम-गहन तकनीकों की तुलना में कम श्रम लागत आती है। दूसरी तरफ यह चावल की खेती से संबंधित समग्र लाभप्रदता में भी सुधार करता है। नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर उत्कृष्ट ऑपरेटर दक्षता प्रदान करता है और इसे सटीक और कुशल रोपाई के लिए इंजीनियर किया गया है, जो धान की खेती में नए मानक स्थापित करता है। मैन्युअल रूप से संचालित, नया ट्रांसप्लांटर डिज़ाइन में कॉम्पैक्ट है और सीमित स्थानों में संचालित करने में आसान है।

विंक स्टूडियो के कलाकारों के गाने विंक म्यूज़िक पर 1.7+ बिलियन स्ट्रीम को किया पार

गुरुग्राम (भारत): डाउनलोड और दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में भारत के नंबर वन म्यूज़िक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूज़िक- नये उभरते संगीत कलाकारों के लिए अपने गानों को देश भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए लॉन्च पैड, ने विंक स्टूडियो के स्वतंत्र कलाकारों के गानों के लिए 1.7+ बिलियन स्ट्रीम की एक प्रभावशाली इंडस्ट्री-अग्रणी उपलब्धि हासिल की है। इन गानों ने, उल्लेखनीय रूप से, विंक स्टूडियो के लॉन्च के दो साल के भीतर इस मील के पत्थर को पार कर लिया है, जो संगीत को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली और उभरते कलाकारों का समर्थन करने के लिए विंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारती एयरटेल के मुख्य मार्केटिंग अधिकारी, अमित त्रिपाठी ने कहा, ''हमने उभरते कलाकारों को, अपने संगीत से कमाई करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए विंक स्टूडियो को लॉन्च किया साथ ही, हमने अपने ग्राहकों को एक विशाल संगीत की लाइब्रेरी भी उपलब्ध कराई। इन गानों के लिए 1.7 मिलियन स्ट्रीम यह दिखाता हैं कि हमारे ग्राहक इस संगीत का कितना आनंद ले रहे हैं जबकि हम इससे कलाकार की मदद कर पा रहे हैं। दो साल से भी कम समय में, विंक स्टूडियो इतना लोकप्रिय हो गया है कि हम देश भर से कलाकारों को साइन कर रहे हैं, जबकि हम विंक पर भाषा विविधता को भी बढ़ावा देते हैं। हम विविधता लाने और अधिक कलाकारों को संगीत में सफल कैरियर बनाने में सक्षम बनाने का वादा करते हैं। देश में संगीत प्रतिभाओं को पहचानने और कलाकारों को संगीत उद्योग में स्थायी करियर बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से विंक स्टूडियो की शुरुआत की गई थी। अपनी तरह के पहले कलाकार विकास मंच - विंक स्टूडियो - ने व्यक्तिगत सलाह, व्यापक वितरण और मुद्रीकरण के अवसरों के माध्यम से भारत में कलाकारों को आगे बढ़ाने में क्रांति ला दी है।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस

नईदिल्ली। कंपनी के पास स्थापित क्षमता के मामले में भारत में सबसे बड़ी एकीकृत बायो-रिफाइनरी है और स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया भर में MPO (3 मिथाइल-3 पेंटेन-2-वन) की सबसे बड़ी निर्माता भी है, प्राकृतिक 1,3 ब्यूटिलीन ग्लाइकॉल के केवल दो निर्माताओं में से एक है और फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बायो एथिल एसीटेट का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। कंपनी 10 अंकित मूल्य वाली इक्विटी शेयर पूंजी के माध्यम से फंड जुटाने की योजना बना रही है। कुल इशू में 3,250 मिलियन [325 करोड़] तक के इक्विटी शेयर का फ्रेश इशू शामिल है (फ्रेश इशू) और 6,526,983 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) [टोटल ऑफर साइज़] भी शामिल है। कंपनी ने फ्रेश इशू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित की फंडिंग के लिए करने की योजना बनाई है-- कंपनी द्वारा लिए गए कुछ आउटस्टेंडिंग बोरोइंग्स का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान, जिसकी राशि 2,400 मिलियन [240 करोड़] है और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए। [फ्रेश इश्यू] ऑफर फॉर सेल में मंडला कैपिटल एजी लिमिटेड [इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर्स] द्वारा 4,926,983 इक्विटी शेयर, सोमैया एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 500,000 इक्विटी शेयर, समीर शांतिलाल सोमैया द्वारा 2,00,000 इक्विटी शेयर, लक्ष्मीवाड़ी माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड [प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स] द्वारा 200,000 इक्विटी शेयर।

फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड की पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 19 जून को खुलेगा

मुंबई - पेट्रोलियम रिफाइनरियों, हाउसिंग एस्टेट, परमाणु ऊर्जा, कंस्ट्रक्शन आदि क्षेत्रों में ग्राहकों को मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता वाली मुंबई स्थित फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 19 जून को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 21 जून को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने सहित कंपनी की विस्तार योजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। केफिन टेक्नोलोजीस लिमिटेड इस इश्यू की लीड मैनेजर है। रु. 13.59 करोड के आइपीओ में प्रति शेयर रु. 92 की कीमत पर प्रति रु. 10 की फेस वेल्यु के 14.88 लाख इक्विटी शेयर का फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 13.69 करोड़ के नए इश्यू में से, कंपनी रु. 10.27 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए और रु. 2.81 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1200 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1,10,400 के निवेश के बराबर है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 19 जून 2024

ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में कौशल प्रशिक्षण, आवेदन हो रहे जमा

रायपुर (विश्व परिवार)। लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड के द्वारा ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में प्रशिक्षण हेतु नवीन तकनीक से सुसजित लैब स्थापित किया गया है, जहाँ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अन्तर्गत ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में कौशल प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। रायपुर जिले में निवासरत 18 से 45 वर्ष के इच्छुक हितग्राही आवेदन कर सकते हैं। आवेदन दिनांक-15.06.2024 से जमा हो रहे हैं। प्रशिक्षण की अवधि-220 घण्टे (2 माह) तथा आवश्यक योग्यता 10वी पास है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन नम्बर-0771-2443068 एवं अन्य नम्बर-9109321845, 7828246081 में संपर्क कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स मोवा की सीईओ सुश्री दीशा अग्रवाल FADA द्वारा सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। FADA द्वारा आयोजित, FADA Dealership E&cellence Award का आयोजन मुंबई के सहारा होटल में 14 जून को FADA के प्रेसिडेंट श्री मनीष राज सिंघणीअ जी की उपस्थिति में किया गया साथ ही संपूर्ण भारत के विभिन्न ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भाग लिया। इस समारोह में हमारे छत्तीसगढ़ से, मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का अधिकृत डीलर विश्वभारती ऑटोमोबाइल मोवा की CEO सुश्री दीशा अग्रवाल को महिला उद्यमिता श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार वितरण बॉलीवुड सुपरस्टार अरबाज खान द्वारा किया गया। दीशा अग्रवाल ने यह पुरस्कार अर्जित कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गर्व से ऊंचा किया।

शंकर नगर वार्ड क्रमांक-30 में नवीन राशन कार्ड वितरण हुआ प्रारम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर वार्ड क्रमांक- 30 में नवीन राशन कार्ड वितरण प्रारम्भ हुआ। पार्षद सुमन राम प्रजापति ने बताया कि कार्ड वितरण का शुभारंभ रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा के हाथों से हुआ। इस दौरान ए पी एल और बी.पी.एल. दोनों ही प्रकार के कार्ड वितरण किये गए। यंहा यह भी बताना आवश्यक है कि नया राशन कार्ड जिनको भी बनाना है उनको पहले पुराने कार्ड को राशन दुकान से अपडेट करवाना आवश्यक है। उसके पश्चात ही नवीनीकरण होता है। इस दौरान अनूप वर्मा जी, नितिन श्रीवास्तव जी, हरीश सिंघनिया जी, महेन्द्र धनकर जी ,राम तांडी जी, भारती यादव जी, शम्भू लौवंशी जी एवं हितग्राही गण उपस्तिथ रहे।

श्री नारायणा हॉस्पिटल में हुआ कोरोनरी एंजियोप्लास्टी वर्कशॉप का आयोजन, हॉर्ट के 8 जटिल मरीजों को मिली एक नई जिंदगी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में विगत 9 और 10 जून 2024 को दो दिवसीय काम्प्लेक्स कोरोनरी एंजियोप्लास्टी वर्कशॉप का आयोजन किया गया. जिसमें हार्ट की अत्याधुनिक प्रचलित टेक्नोलॉजी जैसे, रोटाब्लेशन, कटिंग बैलून, इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड, इंट्रावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी द्वारा कोरोनरी आरट्री डिसीज (टीवीडी/डीवीडी), क्रोनिक टोटल ऑक्लूजन (100 ब्लाकेज) किडनी की क्रॉनिक बीमारियां, शुगर आदि से जूझ रहे आठ मरीजों की काम्प्लेक्स कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गई।

बता दें कि कोरोनरी आर्टरी डिसीज होने के बाद मरीजों का केवल तीन प्रकार से ही ट्रीटमेंट किया जाता है, एंजियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी या फिर मेडिकल मैनेजमेंट द्वारा, हालांकि इनमें से कई मरीज बाईपास सर्जरी नहीं कराना चाहते, तो ऐसे में वर्तमान में प्रचलित एडवांस रोटॉट्रिप्सी, एंटी ग्रेड और रेट्रो ग्रेड टेक्नोलॉजी द्वारा और उनसे संबंधित अत्याधुनिक मशीनों की सहायता से प्रॉपरली काम्प्लेक्स कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की जाती है।

इस वर्कशॉप में चेन्नई के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.आनंद गन्नराज, श्री नारायणा हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.मनोज गुप्ता और कार्डियक एनेस्थेटिक द्वय डॉ. सी.पी.वटटी, डॉ.निशांत त्रिवेदी और उनकी कार्डियक टीम ने हॉर्ट के आठ जटिल मरीजों को एक नई स्वस्थ्य जिंदगी दी. इन मरीजों के सभी कॉम्प्लिकेशंस जैसे चेस्ट पेन, सांस फूलना और चक्कर आना आदि सभी तकलीफें लगभग समाप्तप्राय हो गईं, और दो दिनों के हास्पिटल स्टे के बाद उन सभी को पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में हास्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

जिले के सभी कार्यालय समय में खुले, रिकार्डों को रखें दुरूस्त : डॉ गौरव सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज रेडक्रास सभाकक्ष में आज समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला स्तरीय कार्यालय, सब डिविजिनल कार्यालय तथा अन्य मैदानी कार्यालय सुबह अनिवार्य रूप से प्रात: 10 बजे खुले। उचित मूल्य दर की दुकान भी समय पर खोलें और हितग्राहियों को राशन देना सुनिश्चित करें साथ ही किसी भी स्थिति में शिकायत नही आनी चाहिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप एवं सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अनुविभाग एवं जनपद स्तर के कार्यालय अलर्ट रहें और किसी भी प्रकार की घटनाओं पर नज़र रखें और ऐसी स्थिति होने पर मैदानी अमले पंचायत सचिव एवं पटवारी के माध्यम से सूचना प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जनपद कार्यालय और उसके अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत अपने रिकार्ड दुरस्त रखें, ताकि हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सही ढंग से मिल सके। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव संबंधित पंचायत में जन्म-मृत्यु होती है तो उसका रिकार्ड अपडेट करें, ताकि पेंशन इत्यादि के प्रकरणों में उचित व्यक्ति को उसका लाभ मिले। डॉ गौरव ने कहा कि सभी जनपद सीईओ सह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्रों में जल जीवन मिशन का कार्य प्रगति पर रहे और समय पर पूर्ण हो।

स्वच्छ धरा समिति द्वारा शिव राम दरबार मंदिर परिसर मुक्ति धाम दुर्ग में चलाया गया स्वच्छता अभियान

दुर्ग-भिलाई (विश्व परिवार)। स्वच्छ धरा समिति, छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक सुप्रसिद्ध नाड़ी वैद्य बिरेन्द्र देशमुख के मार्गदर्शन पर 66वें सप्ताह में शिव राम दरबार मंदिर परिसर मुक्ति धाम, दुर्ग में साफ सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके साथ ही साथ समिति के सदस्यों ने 10 फूल के पौधे का पौधा रोपण किया एवं फलदार पौधे आम, जाम, सीताफल के पौधे का भी पौधा रोपण किया, इन पौधों को बालू वर्मा ने दान स्वरूप भेंट किया था। सभी पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी मंदिर समिति के सदस्यों ने ली।

इसके पश्चात स्वच्छ धरा समिति छत्तीसगढ़ की टीम ने शिव राम दरबार मंदिर परिसर में स्वच्छ धरा समिति, छत्तीसगढ़ के उद्देश्य हरा भरा, स्वच्छ धरा के लिए हवन भी किया ताकि हमारी धरा(पृथ्वी) सदा हरा-भरा और साफ सुथरा स्वच्छ रहे।इस हवन में स्वच्छ धरा समिति के सदस्यों के अलावा मंदिर समिति के सदस्य भी शामिल हुए। इस पुनीत कार्य में स्वच्छ धरा समिति छत्तीसगढ़ के संस्थापक एंव प्रदेश अध्यक्ष नवनीत हरदेल, भिलाई अध्यक्ष सुरेंद्र साहू, सचिव भानुसिंह साहू, श्वेता जैन, सरोज टहनगुरिया, गोपाल चोपकर, सुधीर गढ़वाल, ललित उपाध्याय, लता उपाध्याय, उमेद साहू, मोनिका साहू, जयेश शिगणें, अभिषेक गुप्ता, प्रीति गुप्ता, दिलीप गुप्ता, चुन्नीलाल, सूरज साहू, मिलाप चंद्र, उद्धव साहू, मुकेश गुप्ता, सुजीत खरे, राजेंद्र कुमार दुबे, श्रवण जोशी, श्याम चंद्राकर शामिल हुए।

जयका ऑटोमोबाइल्स राष्ट्रीय स्तर पर FADA Awards 2024 for Dealership Excellence अवार्ड से सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। टाटा मोटर्स कॉमर्शियल वाहनों की छत्तीसगढ़ की सबसे पुरानी डीलरशिप जयका ऑटोमोबाइल्स एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए वर्ष 2024 शानदार साबित हो रहा है। जयका ग्रुप जहां इस साल अपनी स्थापना के 70 वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है वही इस वर्ष जायका ग्रुप में अवॉर्ड पाने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में 14 जून 2024 को मुंबई में FADA का "FADA Awards 2024 for Dealership Excellence" समारोह में जयका ऑटोमोबाइल्स एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को मीडियम एंड हैवी कमर्शियल व्हीकल कैटिगरी में राष्ट्रीय स्तर पर एक्सीलेंस अवॉर्ड से निरंतर दूसरे वर्ष सम्मानित किया गया।

फाडा के अध्यक्ष श्री मनीषराज सिंघानियाजी की उपस्थिति में जयका ऑटोमोबाइल्स के श्री सुशील त्रिपाठी जी (सीनियर जी.एम. सेल्स) तथा शिवनाथ हुंडई के श्री राहुल खरे जी (सीनियर जी.एम. सेल्स) ने बॉलीवुड फिल्म अभिनेता अरबाज़ खान के हाथ से ये अवार्ड प्राप्त किए। जयका ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री रोहित काले जी ने पुरस्कार के लिए जयका ग्रुप के सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं जयका ग्रुप से जुड़े सभी ग्राहकों एवं व्यक्तियों को धन्यवाद दिया जो 70 वर्षों से निरंतर उनके साथ हैं, तथा भविष्य में भी निरंतर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने का विश्वास जताया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने अपने टर्म प्लान- आईप्रोटेक्ट स्मार्ट पर महिलाओं के लिए की 15 प्रतिशत आजीवन छूट की पेशकश

- कामकाजी महिलाओं को मिलेगी 15 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट
- स्तन, ओवेरियन, गर्भाशय और सर्वाइकल ग्रीवा के कैंसर सहित 34 गंभीर बीमारियों के संबंध में कवर चुनने का विकल्प
- कंपनी महिलाओं के लिए जीवन बीमा को और अधिक किफायती बनाने का प्रयास कर रही है

रायपुर (विश्व परिवार)। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आज अपने सबसे अधिक बिकने वाले टर्म इंश्योरेंस प्रोडक्ट, आईप्रोटेक्ट स्मार्ट के लिए भुगतान किए जाने वाले सभी प्रीमियमों पर विशेष रूप से महिलाओं के लिए 15 प्रतिशत की आजीवन छूट की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, वेतनभोगी महिलाओं को पहले साल के प्रीमियम पर अतिरिक्त 15 प्रतिशत छूट मिलेगी, ताकि वे खुद को और अपने प्रियजनों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें।

आईप्रोटेक्ट स्मार्ट, गंभीर बीमारी लाभ के साथ स्तन, ओवेरियन, गर्भाशय और सर्वाइकल ग्रीवा के कैंसर सहित 34 गंभीर बीमारियों के खिलाफ कवर प्रदान करता है। इसके तहत स्वास्थ्य और जीवन दोनों किस्म के बीमा के लाभ मिलते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि गंभीर बीमारी के लिए कवर की गई राशि का भुगतान निदान के समय किया जाता है, जिससे परिवार की बचत को प्रभावित किए बिना तत्काल चिकित्सा उपचार के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध हो। द लैंसेट के अनुमान के अनुसार, 50 साल से कम आयु वर्ग, जिनमें कैंसर होने का पता चला, उनमें महिलाओं का अनुपात अधिक था। शहरी निजी अस्पताल में एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर 1 लाख रुपए से अधिक का खर्च आ सकता है, इसलिए महिलाओं के लिए ऐसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता की योजना बनाना आवश्यक है।

इस घोषणा पर अपनी टिप्पणी में, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, श्री अमित पल्टा ने कहा, हम अपने परिवारों की भलाई के लिए अभिभावक और हमारी परवाह करने वाले व्यक्ति के रूप में महिलाओं द्वारा किए गए बलिदान का सम्मान करते हैं। हमें महिलाओं के अदम्य साहस के सम्मान में, अपने सबसे लोकप्रिय टर्म इंश्योरेंस प्रोडक्ट, आईप्रोटेक्ट स्मार्ट के सभी प्रीमियम्स पर 15 प्रतिशत की आजीवन छूट देने पर गर्व है। कामकाजी महिलाएँ घरेलू वित्त में समान योगदान देती हैं, वे 'संरक्षक' भी हैं और 'कमाऊ' भी। उन्हें आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अंग के रूप में हम कामकाजी महिलाओं को पहले साल के प्रीमियम पर 15 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा, महिलाओं में सुरक्षा के साथ-साथ दीर्घकालिक बचत योजनाओं के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है, जो हमें पिछले कुछ साल में महिला वर्ग में हमारे निरंतर व्यापार विकास के जरिए दिखता है। देश के कार्यबल में कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, इसलिए उन्हें खुद को और अपने प्रियजनों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए जीवन बीमा की आवश्यकता होगी। 'सही ग्राहक को सही उत्पाद' के हमारे दृष्टिकोण के साथ, हमारा मानना है कि महिला वर्ग में आगे बढ़ने की उल्लेखनीय संभावना है। हमारा मानना है कि आईप्रोटेक्ट स्मार्ट उन्हें अपनी दीर्घकालिक वित्तीय बचत योजना को सुरक्षित रखने में मदद करेगा, क्योंकि यह किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में परिवार के लिए आय का विकल्प बन सकता है।

उन्होंने कहा, महिलाओं के लिए विशेष रूप से यह किफायती और आकर्षक पेशकश हमारे वादे को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह हमारे उद्योग में अग्रणी वित्त वर्ष 2024 के लिए 99.17 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात से स्पष्ट है, जिसमें औसत दावा निपटान समय केवल 1.27 दिन रहा।

सभी नगरीय निकाय पानी के टंकी एवं नालों की सफाई सुनिश्चित करें: कलेक्टर

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ.गौरव सिंह ने रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली और विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगरीय निकाय के सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि उनके यहाँ पानी के टंकी की सफाई हो गई हो ताकि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिले। बारिश में किसी भी प्रकार की महामारी या बीमारी ना फैले। साथ ही टंकी सफाई के काम का प्रमाण पत्र प्रदान करें। जल्द ही सभी नालों-नाली की सफाई पूर्ण करलें ताकि जलभराव की स्थिति ना हो। डॉ. सिंह ने कहा कि आंधी-तूफान की स्थिति आने पर नगर निगम जिला पंचायत, विद्युत विभाग एवं अन्य अधिकारी फिल्ड में तत्काल निकलें और स्थिति पर नजर बनाएं रखें और किसी प्रकार की समस्या आने पर उसका समाधान करें। इससे नागरिकों को समय में राहत मिलेगी। एनजीटी ने 15 जून तक सारे रेत खदान बंद किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी रेत उत्खनन पाए जाने पर खनिज विभाग तथा अन्य संबंधित राजस्व अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें।

टॉक फॉर रायपुर शो में इस बार ऑप्टिज्म और सेरेब्रल पाल्सी पर चर्चा

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. चानन गोयल ने जल्द उपचार और परिवार के सपोर्ट को कहा जरूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। बच्चों में होने वाले अनुवांशिक रोग ऑप्टिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की पहचान और उसके निदान की जरूरी जानकारी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के पॉडकास्ट शो टॉक फॉर रायपुर में दी गई है। शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की डिमॉस्ट्रेटर डॉ. चानन गोयल ने लगभग 25 मिनट के इस साक्षात्कार में राजधानी रायपुर में उपलब्ध सेवाओं और राज्य सरकार द्वारा अपने शासकीय अस्पतालों और आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से दी जा रहें सभी सुविधाओं पर विस्तार से बात की है। यह पॉडकास्ट नगर निगम सुविधाओं से जुड़ें मोर रायपुर एप्प के माध्यम से सोशल मीडिया के सभी हैंडल्स पर उपलब्ध हैं।

डॉ. गोयल ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि यदि बच्चा जन्म के बाद चार महीने में गर्दन न संभाल पाना, नौ महीने में बैठ न पाना, बारह महीने में खड़े न हो पाना और अठ्ठारह महीने में चल न पाना ये सब गतिविधियां नहीं कर रहा है या बच्चों से घुलने-मिलने की बजाय एकांत में रहना पसंद कर रहा हो, शब्दों के उच्चारण में तकलीफ़ हो और शब्द दोहराने में उसकी रूचि ज्यादा हो, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए। उनका मानना है कि पोषण के अभाव, सिर पर चोट लगने से भी ऐसे लक्षण बच्चों में देखे जाते है। टॉक फॉर रायपुर शो को रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के महाप्रबंधक श्री आशीष मिश्रा होस्ट कर रहे है और इसका प्रसारण मोर रायपुर एप्प में किया जाता है। इस पॉडकास्ट के 08 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं, जो मोर रायपुर एप्प के साथ ही रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के यू-ट्यूब चैनल, फेसबुक पर भी उपलब्ध है।

डॉ. गोयल बताती है कि फिजियोथेरेपी से उपचार बहुत आसान हो चुका है, किन्तु जरूरत इस बात की होती है कि बच्चों में आ रही समस्या की पहचान जल्दी हो। गोयल तीन हजार से अधिक प्राइमरी स्कूल शिक्षिकाओं को रोग संबंधी प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इस इंटरव्यू में वह यह भी बता रही है कि शासकीय चिकित्सालयों में संपर्क कर ऐसे बच्चों को बीमारी से छुटकारा दिलाया जा सकता है, किन्तु जरूरत इस बात की है कि न केवल अभिभावक, बल्कि शिक्षक और समाज भी बालपन में होने वाली ऐसी बीमारियों के लिए पूरी तरह से सजग रहे और उपचार तत्काल शुरू कराएं।

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कैट के प्रदेश कार्यालय में योग शिविर

26 जून को कैट के प्रदेश कार्यालय मे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला का आयोजन

28 जून को श्री भामाशाह जी की जंयती पर कैट राष्ट्रीय व्यापारी दिवस मनायेगा : परवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि आज कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी की अध्यक्षयता में प्रदेश कार्यालय में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारियों की मिटिंग हुई। मिटिंग में आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन एवं 26 जून को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला का आयोजन तथा 28 जून को श्री भामाशाह जी की जंयती पर कैट के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस मनाया जायेगा।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर सुबह 7:30 बजे से 8:30 तक योग शिविर का शिविर का अयोजन किया जायेगा। एवं 26 जून को दोपहर 4:00 बजे से शाम 6:00 तक कैट के प्रदेश कार्यालय मे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला का आयोजन किया जायेगा। मुद्रा लोन मेला में व्यापारियों को 50 हजार रूपये से 10 लाख रूपये तक का लोन राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा बिना किसी गारंटी के पात्रता अनुसार दिया जायेगा। तकनीकी टीम (सीए) द्वारा नि:शुल्क सहायता, राष्ट्रीयकृत बैंको की मौजूदगी, आकर्षक ब्याज दर, पर स्पॉट लोन मंजूरी (कागजात पूर्ण होने पर) एवं अन्य लोन सम्बधित अन्य समस्याओं का समाधान किया जायेगा। कैट सभी व्यापारियों से अपील करती है, कि 26 जून को कैट के प्रदेश में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत आयोजित मुद्रा लोन मेला का लाभ उठाये और अपने व्यापार को आगे बढाने में सहायक बने। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे बताया कि 28 जून को दानवीर श्री भामाशाह जी की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में हर्षोल्लास मनाया जाता है। इसी कड़ी में कैट 28 जून को कैट के प्रदेश कार्यालय में शाम 4:30 बजे दानवीर श्री भामाशाह जी की जंयती पर राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप मनाई जायेगी।

मिटिंग में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे- जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, सुरिन्द्र सिंह, अजय अग्रवाल भरत जैन, अवनीत सिंह, विजय पटेल, मुकेश मोटवानी पवन वाधवा, सूरज उपाध्याय, नरेश पाटनी, प्रीतपाल सिंह बग्गा, दिलीप इसरानी, विनोद तिवारी, महेन्द्र बागरोडिया, रमेश खोडियार, शैलेन्द्र शुक्ला, मनीष सोनी, रतनदीप सिंह एंव मुकेश झा आदि।

अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाही, जब्त की गई 120 हाईवा

रायपुर (विसं)। जिले में कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार आज मंदिर हसौद में तहसीलदार मंदिर हसौद की उपस्थिति में शासकीय भूमि पर किये गए 120 हाईवा अवैध रेत भंडारण पर की गई ज़ब्ती कार्यवाही। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने ज़िले में अवैध प्लॉटिंग, अतिक्रमण एवं अवैध खनिज पर रोक लगाते हुए क़ानूनी कार्यवाई करने के निर्देश दिये थे। उक्त कार्यवाही राजस्व अमला, खनिज विभाग एवं पुलिस टीम ने सयुक्त रूप से किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354